राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण रविवार,१८अप्रैल २०२१ वर्ष-४, अंक -८४ पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रुपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

ट्रेन में बिना मास्क यात्रा करना पड़ेगा महंगा, रेलवे लगाएगा 500 का जुर्माना

नई दिल्ली । देश में कोरोना का कहर लगातार जारी है। रोज सामने आने वाले नए मामले में इजाफा ही होता जा रहा है। भारतीय रेल ने ट्रेन में कोरोना प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन कराने का निर्णय लिया है। रेलवे ने ट्रेन में बिना मास्क यात्रा करने वाले लोगों पर 500 रुपए जुर्माना लगाने की घोषणा की है। यह सख्ती स्टेशन परिसर में भी लागू होगी। आपको बता दें कि इससे पहले फ्लाइट और दिल्ली मेट्रो में शख्ती से इसका पालन किया जा रहा है।

धर्माचार्यों ने की अपील, घर पर ही मनाएं रामनवमी

अयोध्या । कोरोना के बढ़ते संक्रमण ने हर किसी को चिंतित कर दिया है। संक्रमण के दौरान ही रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मोत्सव का पावन पर्व संचालित है। रामजन्मोत्सव का मुख्य पर्व 21 अप्रैल को धूमधाम से मनाया जाएगा। रामजन्मोत्सव के अवसर पर अयोध्या में 15 से 20 लाख श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है लेकिन इस वर्ष बेकाबू कोरोना ने रामनवमी के उल्लास में ग्रहण लगा दिया है। कोरोना के बढ़ते संक्रमण के चलते रामनवमी में भीड़ पर रोक लगा दी गई है तो वहीं रामनगरी के संत-धर्माचार्यों ने भी भक्तों से अपील की है कि वे घरों पर रहकर ही पूजा-अर्चना करें। संतों ने कहा है कि भक्त नवरात्र में मंदिरों में न जाकर घरों में ही माता की उपासना करें।

मास्क लगाएं, करें सामाजिक दूरी का पालनः सत्येंद्र दास

रामजन्मभूमि के मुख्य आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा कि इस समय हमें स्वयं को घर में बंद रखने की आवश्यकता है। कोरोना वायरस अभी तक हमारे द्वारा जीता नहीं जा सका है। उसके निराकरण का उपाय नहीं मिल पा रहा है। जब तक कोरोना के शमन का मार्ग प्रशस्त नहीं हो जाता तब तक मास्क, सामाजिक दूरी का पालन करना अति आवश्यक है, यही एक मात्र रास्ता है जिससे कोरोनो को मात दी जा सकती है। नाका हनुमानगढ़ी के महंत रामदास ने भक्तों से अपील की है कि वे मंदिरों में भीड़ न लगाएं। घर पर ही रहकर पूज-अर्चना करें। साथ ही साथ रोजाना हवन करें। इससे वातावरण शुद्ध होगा और विषाणुओं को दूर करने में मदद मिलेगी। मास्क लगाकर, सामाजिक दूरी अपनाकर संक्रमण को फैलने से रोका जा सकता है। हमें भक्ति के मार्ग के साथ-साथ कोरोन प्रोटोकॉल का भी पालन करना होगा।

पश्चिम बंगाल चुनावः पांचवें चरण में हुई बंपर वोटिंग, शाम पांच बजे तक 78.36 प्रतिशत मतदान

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के छह जिलों में 45 विधानसभा सीटों पर पांचवें चरण में हो रहे चुनाव के दौरान शाम पांच बजे तक कम से कम 78.36 प्रतिशत मतदान हो चुका था। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी आरिज आफताब ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सबसे ज्यादा 81.73 प्रतिशत मतदान जलपाईगुड़ी जिले में देखने को मिला, उसके बाद पूर्वी बर्धमान (81.72 प्रतिशत), नादिया (81.57 प्रतिशत), उत्तर 24 परगना (74.83 प्रतिशत), दार्जीलिंग (74.31 प्रतिशत) और कलिमपोंग (69.56 प्रतिशत) हैं। मुख्य निर्वाचन कार्यालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, कुछ जगहों पर हिंसा की थोड़ी बहुत घटनाओं को छोड़कर मतदान लगभग शांतिपूर्ण रहा।÷ अधिकारियों ने कहा कि विधाननगर के शांतिनगर इलाके में तृणमूल कांग्रेस और भाजपा कार्यकर्ताओं के बीच झड़प में आठ लोगों के घायल होने की खबर है जबकि सिलिगुड़ी में एक मतदान केंद्र के बाहर टीएमसी और माकपा समर्थकों के बीच धक्कामुक्की हुई।उन्होंने बताया कि उत्तर 24 परगना के बिजपुर में विपक्षी दल द्वारा मतदाताओं को बूथ में जाने से रोके जाने के आरोप के बाद टीएमसी और भाजपा समर्थकों के बीच झड़प हुई। निर्वाचन आयोग ने शनिवार के मतदान के लिये केंद्रीय बलों की कम से कम 853 कंपनियों को तैनात किया था। केंद्रीय बल की एक कंपनी में अधिकारियों समेत करीब 100 कर्मी होते हैं।

भारतीय वायुसेना की बढ़ेगी ताकत, 21 अप्रैल को 6 और राफेल विमान आएंगे भारत

नई दिल्ली ।

भारतीय वायुसेना की ताकत में और इजाफा होना वाला है, क्योंकि इसी महीने फ्रांस से 6 और राफेल विमान आने वाले हैं। भारतीय वायु सेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल राकेश भदौरिया फ्रांस की यात्रा पर जा रहे हैं, जहां से वह 6 राफेल लड़ाकू विमानों को भारत रवाना करेंगे। फ्रांस यात्रा के दौरान राकेश भदौरिया 21 अप्रैल को दक्षिण-पश्चिमी फ्रांस के मरिग्नैक-बोर्डो एयरबेस से छह राफेल लड़ाकू विमानों को हरी झंडी दिखाकर भारत के लिए रवाना करेंगे। ये लड़ाकू जेट पश्चिम बंगाल के हासिमारा में दूसरे राफेल स्क्वाड्रन को सक्रिय करने के लिए मंच तैयार करेंगे। बता दें कि भारतीय वायुसेना प्रमुख 20 अप्रैल से फ्रांस का दौरा करने वाले हैं, और 23 अप्रैल तक वह फ्रांस में रहेंगे। छह राफेल विमान पहले 28 अप्रैल को भारत के लिए उड़ान भरने वाले थे, लेकिन एयर चीफ मार्शल भदौरिया के यात्रा के आयोजन के बाद इसे एक सप्ताह पहले रख लिया गया। फ्रांस यात्रा के दौरान, एयर चीफ भदौरिया एक फ्रांसीसी राफेल स्क्वाड्रन का दौरा करेंगे, इसके अलावा वह अपने समकक्ष फिलिप लेविने से मुलाकात करेंगे और पेरिस में नव-स्थापित अंतरिक्ष कमान का दौरा भी करेंगे। भारतीय वायुसेना के प्रमुख राकेश भदौरिया द्वारा हरी झंडी दिखाकर भेजे गए राफेल जेट विमानों के आगमन से भारतीय वायु सेना में राफेल जेट विमानों की संख्या बढ़ जाएगी।

इन विमानों के आने बाद वायुसेना को 18 विमानों के साथ अंबाला में 117 गोल्डन एरो स्क्वाड्रन को पूरा करने और 2 चौथे पीढ़ी के प्लस-फाइटर जेट के साथ दूसरा स्क्वाड्रन शुरू करने में सक्षम होगी। वायुसेना के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, ÷छह लड़ाकू विमान अंबाला एयरबेस के लिए उड़ान भरेंगे, जहां से लड़ाकू विमानों को हसीमारा में एक दूसरे स्क्वाड्रन के गठन के लिए फिर से तैयार किया जाएगा।

प्रतीकात्मक हो कुंभ मेला : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली।

हरिद्वार के कुंभ मेला क्षेत्र से कोरोना मामलों की संख्या में उभार आने के चलते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस घातक वायरस के खिलाफ जारी लड़ाई को और मजबूत रूप देने के लिए समारोह को प्रतीकात्मक रूप से मनाए जाने की अपील की है। वार्षिक तौर पर मनाया जाने वाला यह कार्यक्रम कोरोना महामारी के बीच एक गहरी चिंता का विषय बन गया है। महामारी की दूसरी लहर के बीच उत्तराखंड के हरिद्वार में हजारों की तादात में भक्त पावन गंगा स्नान करने के लिए जुटे हुए हैं और इसी के चलते प्रधानमंत्री ने अपनी यह बात रखी है। प्रधानमंत्री ने ट्विटर पर कहा कि उनकी फोन पर हिंदू धर्म आचार्य सभा के अध्यक्ष स्वामी अवधेशानंद गिरि जी महाराज से बात हुई है। पीएम ने कहा, आचार्य महामंडलेश्वर पूज्य स्वामी अवधेशानंद गिरि जी से आज फोन पर बात की। सभी संतों के स्वास्थ्य का हाल जाना। सभी संतगण प्रशासन को हर प्रकार का सहयोग कर रहे हैं। मैंने इसके लिए संत जगत का आभार व्यक्त किया। मैंने प्रार्थना की है कि दो शाही स्नान हो चुके हैं और अब कुंभ को कोरोना के संकट के चलते प्रतीकात्मक ही रखा जाए। इससे इस संकट से लड़ाई को एक ताकत मिलेगी। इसके बाद हिंदू धर्म आचार्य सभा के अध्यक्ष ने ट्वीट करते हुए कहा, माननीय प्रधानमंत्री जी के आह्वान का हम सम्मान करते हैं! जीवन की रक्षा महत पुण्य है। मेरा धर्म परायण जनता से आग्रह है कि कोविड की परिस्थितियों को देखते हुए भारी संख्या में स्नान के लिए न आएं एवं नियमों का निर्वहन करें। कथित तौर पर कोरोनावायरस संक्रमण के चलते एक संत के निधन होने और कई अन्यों के पॉजिटिव पाए जाने के बाद प्रधानमंत्री ने इसे प्रतीकात्मक रूप से मनाए जाने की अपील है। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2,34,692 नए मामले दर्ज हुए हैं, जो एक दिन में दर्ज किया गया सबसे बड़ा आंकड़ा है। इसी के साथ देश में संक्रमितों की कुल संख्या शनिवार को 14,526,609 हो गई है।

हिमाचल में मौसम ने ली करवट, कहीं बारिश तो कहीं बर्फबारी...

जिला कुल्लू में एक बार फिर से मौसम ने करवट बदल लिया है। शनिवार दोपहर बाद अचानक आसमान काले बादलों से घिर गिर गया और तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। वहीं जिला लाहौल स्पीति के बात करें तो लाहौल घाटी में एक बार फिर से बर्फबारी व बारिश शुरू हो गई है। जिसके चलते सड़कों पर वाहनों के फिसलने का खतरा भी बढ़ गया है। इसके अलावा मनाली लेह मार्ग एक बार फिर से बर्फबारी के चलते बंद हो गया है। वही लाहौल स्पीति पुलिस प्रशासन के द्वारा वाहनों को केलांग से आगे नहीं भेजा जा रहा है। बीते दिनों भी बर्फबारी के चलते दर्जनों वाहन व लोग यहां फंस गए थे, जिन्हें बीआरओ लाहौल प्रशासन ने यात्रियों को सुरक्षित पहुंचाया था। बीआरओ की मशीनरी बारालाचा दर्रे को बहाल करने में जुटी हुई थी कि तभी अचानक एक बार फिर से बर्फबारी का दौर शुरू हो गया है। जिसके चलते सड़क मार्ग एक बार फिर से वाहनों की आवाजाही के लिए बाधित हो गया है। जिला कुल्लू की अगर बात करें तो यहां भी बारिश के चलते तापमान में कमी आई है और लोग एक बार फिर से गर्म कपड़े पहनने के लिए मजबूर हो गए हैं। वहीं तेज बारिश के चलते फलदार पेड़ों को भी नुकसान हुआ है। लाहौल स्पीति के एसपी मानव वर्मा का कहना है कि बर्फबारी को देखते हुए लाहौल घाटी में शनिवार को निगम की बस सेवा बंद रखी गई है। वहीं किसी भी वाहन को केलांग से आगे नहीं जाने दिया जा रहा है।

पीएम मोदी देश के कल्याण के बारे में सोचते हैं पर दीदी सिर्फ भतीजा को CM बनाना चाहती हैं- अमित शाह

भाजपा के वरिष्ठ नेता और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल के नदिया में एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया अपने संबोधन में अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी पर जमकर निशाना साधा अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री प्रधानमंत्री 24 घंटे सोचते हैं कि देश के गरीबों का कल्याण हो। दीदी 24 घंटे सोचती हैं कि मेरा भतीजा कब मुख्यमंत्री बने। उन्होंने लोगों से पबछा कि बंगाल को कटमनी वाली सरकार चाहिए क्या? बंगाल को सिंडिकेट चलाने वाली सरकार चाहिए क्या? बंगाल को भतीजा कल्याण करने वाली सरकार चाहिए क्या? शाह ने आगे कहा कि दीदी नकली धर्मनिरपेक्षता में उलझी हुई हैं। हमने मतुआ और नामशूद्रों को नागरिकता देने का फैसला किया है। हम मतुआ नेताओं को 3000 रुपये मासिक पेंशन भी प्रदान करेंगे और ठाकुरनगर रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर श्रीधाम ठाकुरनगर रेलवे स्टेशन कर दिया जाएगा। शाह ने ममता पर निशाना साधते हुए कहा कि अभी-अभी एक आडियो क्लिप बाहर आया है, जिसमें दीदी अपने लोगों को कहती है उत्तर बंगाल, कूचबिहार में मारे गए लोगों का अंतिम संस्कार मत करना, मैं आउंगी, उनको ट्रक में रखेंगे, उनको घुमाएंगे, वोट बटोरेंगे। अरे दीदी, शर्म करो...दीदी तो मृतक लोगों पर राजनीति करना चाहती हैं। जो मर गए हैं, उनका शोक मनाने के बजाय आप उनके नाम पर वोट बटोरना चाहती हैं।

दुष्यंत चौटाला ने कहा-किसानों से दोबारा बातचीत शुरू करे केंद्र

चंडीगढ़। हरियाणा के उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला किसान आंदोलन के लंबा खिंचने से चिंतित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को चिटठी लिखी है। चौटाला ने प्रधानमंत्री को लिखी चिट्ठी में आंदोलनकारी किसानों से दोबारा बातचीत शुरू करने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि इसके लिए 3-4 वरिष्ठ मंत्रियों की समिति बनाई जाए जो किसान नेताओं से दोबारा बातचीत शुरू करे। दुष्यंत का मानना है कि किसान आंदोलन का लंबा चलना चिंता का विषय है। दिल्ली सीमा पर बैठा किसान हमारा अन्नदाता है। बातचीत से हर समस्या का हल संभव है। किसानों की मांगों का सौहार्दपूर्ण समाधान होना चाहिए। डिप्टी सीएम ने चिट्ठी में प्रधानमंत्री को गेहूं खरीद के बारे में भी जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि रबी की 6 फसलों को हरियाणा में एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। दुष्यंत से पहले किसानों से बातचीत करने के लिए गृह मंत्री अनिल विज भी केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र तोमर को पत्र लिख चुके हैं। उन्होंने कोरोना के मद्देनजर नए सिरे से आंदोलनकारी किसानों से बातचीत शुरू करने की मांग की थी। इससे पहले हरियाणा के स्वास्थ्य मंत्री अनिल विज ने भी रविवार को केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखा था। उन्होंने लिखा था कि एक बार फिर से आंदोलन पर बैठे किसानों से बात की जाए।

चारा घोटाले में लालू प्रसाद को मिली जमानत

रांची।

झारखंड उच्च न्यायालय ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव को करोड़ों रुपये के चारा घोटाले में दुमका कोषागार से गबन के मामले में शनिवार को करीब चालीस माह बाद जमानत दे दी। अदालत ने उन्हें दस लाख रुपये जुर्माने की राशि जमा करने, विदेश नहीं जाने और मोबाइल नंबर नहीं बदलने की शर्त के साथ एक-एक लाख रुपये के दो निजी मुचलकों पर जमानत दी है। उनका अभी दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विग्यान संस्थान में न्यायिक हिरासत में इलाज चल रहा है। न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह की पीठ ने केन्द्रीय जांच ब्यूरो के विरोध को दरकिनार करते हुए लालू प्रसाद को जमानत दे दी। लालू देवघर कोषागार से लगभग 89 लाख रुपये की राशि के गबन के आरोप में यहां सीबीआई की विशेष अदालत द्वारा 23 दिसंबर 2017 को दोषी ठहराये जाने के बाद से जेल में थे। सोमवार को सीबीआई की विशेष अदालत में जमानत बांड, निजी मुचलके आदि की प्रक्रिया पूरी कर लेने पर उनके रिहा हो जाने की संभावना है क्योंकि चारा घोटाले के अन्य तीन मामलों में उन्हें पहले ही जमानत मिल चुकी है। लालू के स्थानीय अधिवक्ता देवर्षि मंडल ने कहा कि लालू की रिहाई के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई सोमवार को सीबीआई अदालत खुलने पर पूरी कर लिये जाने की संभावना है। अदालत में शनिवार को सुनवाई के दौरान सीबीआई की ओर से केन्द्र सरकार के अतिरिक्त महाधिवक्ता राजीव सिन्हा ने लालू प्रसाद को फिलहाल जमानत देने का यह कह कर विरोध किया कि दुमका कोषागार मामले में उन्हें 14 वर्ष की जेल की सजा सुनायी है लिहाजा जमानत के लिए आधी सजा पूरी करने का आधार तभी माना जायेगा जब लालू इस मामले में न्यायिक हिरासत में सात वर्ष की अवधि पूरी कर लेंगे।

तैयारी के लिए एक वर्ष के समय के बावजूद, सरकार लापरवाह रही : सोनिया

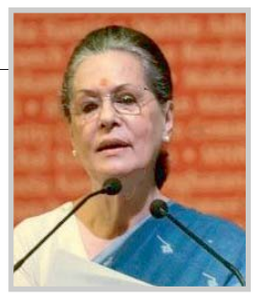

नई दिल्ली।

अंतरिम कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने शनिवार को कहा कि कोविड-19 महामारी एक राष्ट्रीय चुनौती है, जिसे दलगत राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। लेकिन एक साल के बाद भी सरकार लापरवाह बनी रही। सोनिया गांधी कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक के दौरान बोल रही थीं, जिसे महामारी के मुद्दे पर चर्चा के लिए वर्चुअली बुलाया गया था। अपनी प्रारंभिक टिप्पणी में उन्होंने कहा, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने हमेशा माना है कि कोविड -19 महामारी से लड़ना एक राष्ट्रीय चुनौती है, जिसे पार्टी की राजनीति से ऊपर रखा जाना चाहिए। हमने फरवरी-मार्च, 2020 से अपने सहयोग का हाथ बढ़ाया है। हालांकि, हम इस तथ्य से इनकार नहीं कर सकते कि कोविड -19 महामारी की दूसरी लहर ने देश में रोष पैदा किया है। तैयार होने के लिए एक साल होने के समय के बावजूद, अफसोस की बात है कि लापरवाही की गई। उसने कहा कि देश के कई परिवार मुश्किल में हैं, जीवन और आजीविका समाप्त हो रही है और जीवन भर की कमाई स्वास्थ्य सेवाओं में खर्च हो रही है। सोनिया गांधी ने उन हजारों परिवारों के प्रति दुख जताया, जिन्होंने पिछले एक साल में इस महामारी से अपने प्रियजनों को खो दिया है। सोनिया ने कहा, उनका दर्द और पीड़ा हमारा दर्द और पीड़ा है। स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं और चिकित्सा बिरादरी के लिए आभार, जो गंभीर दबावों और जोखिमों के बावजूद अभूतपूर्व सेवा प्रदान कर रहे हैं। उनके कर्तव्य और समर्पण की भावना को सलाम। उन्होंने टीका निर्यात के लिए सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, भारत ने पहले ही लगभग 6.5 करोड़ कोविड -19 वैक्सीन की खुराक अन्य देशों को निर्यात की है।

दिल्ली-यूपी से महाराष्ट्र तक कोरोना से हाहाकार

नई दिल्ली ।

भारत में कोरोना हर दिन रिकॉर्ड बना रहा है और लगातार तीन दिन से डेली केस का आंकड़ा दो लाख पार कर जा रहा है। शनिवार को भी बीते 24 घंटे में कोरोना वायरस के देश में 2 लाख 34 हजार नए केस सामने आए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, देश में एक्टिव केसों की संख्या 15 लाख पार कर गई है। कोरोना के बढ़ते इसी संक्रमण को देखते हुए देशभर के अलग-अलग शहरों-राज्यों में वीकेंड लॉकडाउन, कर्फ्यू और नाइट कर्फ्यू जैसे प्रतिबंध लगाए हैं। कोरोना की दूसरी लहर के चेन को तोड़ने के लिए दिल्ली-मुंबई जैसे शहरों ने भी पाबंदियों को लागू कर दिया है। तो चलिए जानते हैं कहां कैसी पाबंदी है। महाराष्ट्र में 15 दिनों का मिनी लॉकडाउन जारी है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को ऐलान किया था कि 14 अप्रैल को रात आठ बजे से 1 मई तक महाराष्ट्र कर्फ्यू की जद में रहेगा। भीड़भाड़ को रोकने के लिए पूरे राज्य में धारा 144 लागू कर दी गई है। अनिवार्य चीजों को छोड़कर सबकुछ बैन कर दिया गया है। जरूरी सेवाओं की दुकानों को ही खुलने की छूट है। बाद बाकी सभी सार्वजनिक गतिविधियों पर बैन है। दिल्ली में कोरोना वायरस के कहर को कम करने के लिए 56 घंटों का कर्फ्यू लगाया गया है।

शुक्रवार रात से शुरू हुआ वीकेंड कर्फ्यू सोमवार सुबह तक जारी रहेगा। कर्फ्यू के दौरान पूरी दिल्ली में पुलिस पेट्रोलिंग जारी रहेगी। अगर किसी ने भी अपने घर से बाहर कदम रखा, तो उन्हें पुलिस पेट्रोलिंग टीम का सामना करना पड़ेगा। कोई भी व्यक्ति जब तक ये साबित नहीं कर देता कि वो जरूरी सेवाओं के लिए जा रहा है, उसे जाने नहीं दिया जाएगा। कर्फ्यू का उल्लंघन करने के लिए उसे गिरफ्तार कर केस भी दर्ज किया जा सकता है। अगर किसी को

आपातकालीन स्थिति में अस्पताल जाना पड़ता है तो इस पर जाने दिया जाएगा। अस्पताल जाने वाले डॉक्टर अपने आईडी कार्ड दिखाकर जा सकेंगे। अगर कोई सब्जी विक्रेता बिक्री कर रहा है और उसे सब्जी बेचते हुए देखा जा सकता है, तो उसे बिना पास के भी अनुमति दी जाएगी। कई चीजों के लिए ई-पास जरूरी होगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कड़ाई अब मजबूरी

अंततः उत्तर प्रदेश सरकार को कड़े फैसले लेने की शुरुआत करनी पड़ी। जिस हिसाब से कोरोना संक्रमण बढ़ रहा है, उसमें लॉकडाउन और कर्फ्यू के अलावा कोई विकल्प नहीं रह गया है। एक ओर, जहां रात्रिकालीन कर्फ्यू का विस्तार किया गया है, वहीं रविवार को पूरी तरह से लॉकडाउन लगाने का फैसला भी प्रदेश में संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए अनिवार्य है। मास्क न पहनने वालों से एक हजार रुपये का जुर्माना वसूलना गरीबों की दृष्टि से थोड़ा आक्रामक लगता है, लेकिन बचाव के लिए यह भी जरूरी है। रविवार को सभी बाजारों को सैनेटाइज करने का फैसला भी स्वागतयोग्य है। जो लोग सरकार की इस कड़ाई को जरूरी नहीं मानते, उन्हें उत्तर प्रदेश में गुरुवार को सामने आए आंकड़े देखने चाहिए। एक दिन में 104 लोगों की मौत हुई है और 22,439 नए मामले सामने आए हैं। नोएडा जैसे अपेक्षाकृत विकसित क्षेत्र में मरीजों के लिए सरकारी अस्पतालों में जगह कम पड़ने लगी है, तो उत्तर प्रदेश के दूरदराज के इलाकों में अस्पताल किस दबाव में होंगे, सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। जहां तक बिहार का सवाल है, यहां उच्च न्यायालय ने चिंता जाहिर की है। राज्य के बड़े नेताओं, अधिकारियों, न्यायाधीशों को भी कोरोना परेशान करने लगा है। गुरुवार को बिहार में 6,133 मामले सामने आए, जबकि 24 मौतें दर्ज की गईं। हम जानते हैं, बिहार में आंकड़े जुटाना आसान नहीं। स्वास्थ्य सेवाओं तक हर किसी की पहुंच नहीं है। डॉक्टरों के खाली पदों की संख्या ही अगर हम देखें,तो हमें अंदाजा हो जाएगा कि बिहार में चिंता का स्तर क्या है। क्या बिहार इस स्थिति में है कि पचास या एक लाख मरीजों को झेल पाए? सक्रिय मामले लगभग 30,000 के आसपास दर्ज हैं और आने वाले दिनों में विशेषज्ञों को आशंका है, बिहार जैसे क्षेत्रों में संक्रमण बढ़ेगा। जैसे जीवन और जीविका बचाने की जंग उत्तर प्रदेश में शुरू हो रही है, ठीक उसी राह पर बिहार को भी चलना पड़ेगा। शनिवार को राज्यपाल के नेतृत्व में सर्वदलीय बैठक होने वाली है, उसके बाद सरकार कड़े फैसलों के साथ सामने आ सकती है। लचीले फैसलों का समय बीत चुका है। यदि हम कड़ाई नहीं करेंगे, तो मुसीबतों से घिरते चले जाएंगे। कोरोना का नया हमला सबके सामने है। जरूरत वास्तविक आंकड़ों या हकीकत से मुंह चुराकर लोगों का मनोबल बनाए रखने की नहीं है। लोगों को जिम्मेदारी लेने के लिए पाबंद करना होगा। नेतृत्व वर्ग को समाज के सामने आदर्श प्रस्तुत करना होगा। चेहरा दिखाने के बजाय काम दिखाने का वक्त है? काम न दिखा, तो जो घाव लोगों की देह और दिल पर लगेंगे, उनका इलाज आने वाले कुछ दशकों तक नहीं हो पाएगा। संक्रमण के बढ़ते मामलों पर पटना हाईकोर्ट ने चिंता जताते हुए स्वास्थ्य विभाग की जमकर खिंचाई की है, तो यह स्वाभाविक है। ऐसे समय में न केवल जांच रिपोर्ट जल्दी आनी चाहिए, सभी के इलाज का मुकम्मल इंतजाम भी होना चाहिए। ताकि किसी कोर्ट को यह न कहना पड़े कि आमजन के लिए सरकारी अस्पताल का दरवाजा लगभग बंद सा है। यह आरोप-प्रत्यारोप का समय कदापि नहीं और न ही राजनीति का है। आज देश-समाज के नेताओं की सार्थकता तब है, जब जरूरी सेवाएं युद्ध स्तर पर सुनिश्चित हों।

आज के ट्वीट

शुरुआत

इंतजार करने से बेहतर है कि आपके पास जो है उसी से शुरूआत कर दें।

-- विवेक बिन्द्रा

सावधानी और स्वस्थ जीवनशैली बचाएगी

आर. कुमार

हर वायरस की आदत है वह अपने रूप बदलता रहता है और कोविड-19 भी कोई अपवाद नहीं है। सार्स-कोव-2 नामक इस वायरस ने खुद में तेजी से जैविक बदलाव करके विविध रूपांतर बना डाले हैं। अब तक विश्वभर में इसकी लगभग 200 किस्में खोजी जा चुकी हैं। भारत में दोहरे रूपांतर (डबल म्यूटेशन) वाली किस्म सामने आई है, जिसमें संक्रमित करने की जबरदस्त शक्ति है। यह बहरूपिया अब बहुत ज्यादा जानें लील रहा है। यह रूपांतर इसलिए ज्यादा खतरनाक है क्योंकि यह शरीर की रोगप्रतिरोधक क्षमता को चकमा देकर घुसपैठ कर रहा है। अब यह बच्चों और युवाओं को भी शिकार बना रहा है। विशेषज्ञों ने चेताया है कि नयी किस्म ज्यादा ऊर्जावान, अधिक संक्रमणशील और तेज रूपांतर वाली है, वायरस अब सीधे फेफड़ों पर हमला करता है, जबकि टेस्ट नेगेटिव आता है! इसे सर्वप्रथम महाराष्ट्र में पाया गया था, जहां इसने कोहराम मचा रखा है। जितने केस पॉजिटिव आ रहे हैं, उनमें अधिकतर में जीनोम सिक्वेंसिंग ने ई-484-क्यू और एल-452-आर म्यूटेशन में हुई वृद्धि की पुष्टि की है। यह रूपांतर में रोगप्रतिरोधात्मक प्रणाली को चकमा देने की क्षमता विकसित हो जाने की तस्दीक है। हालिया रिपोर्टों में सबूत मिला है कि नयी किस्में कुत्ते और बिल्लियों तक को संक्रमित कर सकती हैं, जिनसे आगे इनसान और अन्य पालतू जानवरों में संक्रमण तेजी से फैल सकता है। यहां तक कि यह हवा में भी व्याप्त रह सकते हैं! वायरस के नये-नये रूपांतरों के लिए वैक्सीन बनाना अब और भी चुनौतीपूर्ण हो चला है। भविष्य की किस्में, जो बच्चों को भी गंभीर रूप से बीमार कर सकती हैं, उनके पैदा होने का खतरा हो चला है। इसलिए हमें साल-दर-साल हरेक नये रूपांतर के लिए एक नयी वैक्सीन की जरूरत होगी, क्योंकि शरीर में एंटीबॉडीज ज्यादा समय तक नहीं टिक पाती हैं। लेकिन क्या हम ऐसी क्षमता हासिल कर पाएंगे? वैक्सीन की कमी बनने की सूचनाएं पहले ही आने लगी हैं। एक टीका किसी व्यक्ति को भविष्य में संक्रमित न होने देने की गारंटी नहीं है। यह तो एक ऐसा स्वास्थ्य 'औजार' है जो बीमारी लगने पर जान जाने की नौबत बनने से बचा सकता है, इससे वक्त रहते बहुत-सी मौतों को टाला जा सकता है। यूके और अन्य कई देशों से प्राप्त सूचनाएं तस्दीक करती हैं कि वैक्सीन उपरांत संक्रमण और मृत्युदर में कमी आई है। ज्यादातर वैज्ञानिक इस बात पर सहमत हैं कि वैक्सीन का 'लाभ-बनाम-खतरा' संतुलन इसे लगवाने के हक में अधिक ठहरता है। वैक्सीन से अति गंभीर स्थिति बनने से रोकने में इसकी प्रभावशीलता लगभग 92 प्रतिशत पाई गई है। सरकार कोविड-19 से छुटकारा पाने को देशव्यापी टीकाकरण अभियान चला रही है, लेकिन क्या यह कारगर होगा? कुछ रिपोर्टें विचलित करने वाली हैं।

फिलहाल पक्का नहीं है कि वैक्सीन की प्रभावशीलता शरीर में कब तक और कितनी मात्रा में बनी रहेगी। टीका उपरांत विपरीत असर होने की भी सूचनाएं हैं, कइयों में दोनों खुराकें लगने के बाद भी कोविड-19 रिपोर्टें पॉजिटिव आई हैं, तो कुछ लोगों पर उलटा असर होने के समाचार हैं, जिससे खुद स्वास्थ्य सेवा बिरादरी में सहम है। दिल्ली स्थित एम्स के 100 से ज्यादा तो सर गंगाराम अस्पताल के 37 से अधिक और लखनऊ के केजीमेडिकल कॉलेज में 39 चिकित्सक दोनों खुराकें लगने के बावजूद पॉजिटिव मिले हैं। क्या यह कारक-और-प्रभाव का संबंध बतलाता है? यूरोप के कई देशों में वैक्सीन लगने के बाद खून में थक्के बनने के कई मामले मिले हैं, जिसकी वजह से बनी असहजता से टीकाकरण रोकना पड़ा था। डेनमार्क पहला देश था, जिसने टीका उपरांत खून में थक्के बनने के आलोक में टीकाकरण निलंबित कर दिया था। एक भारतीय अधिकारी का कहना है 'यूरोप के इस प्रसंग के परिप्रेक्ष्य में हम भी कोविशील्ड और कोवैक्सीन टीकाकरण उपरांत खून के थक्के वाले अवांछनीय प्रभावों को लेकर पैनी नजर रख रहे हैं।' 31 मार्च को नेशनल एईएफआई कमेटी (एडवर्स इवेंट फॉलोइंग इम्युनाइज़ेशन) के सामने रखी गई रिपोर्ट में माना गया है कि देश में टीका उपरांत विपरीत असर से 180 लोगों की मृत्यु और 700 की हालत गंभीर हुई थी। इनमें तीन-चौथाई मौतें टीका लगने के 3-4 दिन के अंदर ही हो गई थीं। तथापि मामले की पूरी और पारदर्शी जांच करके सच सामने रखने से लोगों में भरोसा बनेगा। दुर्योग यह है कि वायरस संक्रमण का ग्राफ जनवरी में शुरू हुए टीकाकरण अभियान के साथ बढ़ने लगा है। क्या कारण है, कुछ पक्का नहीं है। यह पाकर कि रोगप्रतिरोधक क्षमता से बचने की कला विकसित कर चुका कोविड रूपांतर फिलहाल उपलब्ध वैक्सीन से मरने वाला नहीं है, इससे सामूहिक टीकाकरण की प्रभावशीलता पर प्रश्नचिन्ह लग गए हैं। जबकि अकेले 9 अप्रैल को ही कोविड-19 के विस्फोट से 1.34 लाख लोग पॉजिटिव पाए गए थे और उसके बाद ग्राफ रोजाना ऊपर उठ रहा है। अब विशेषज्ञ पशोपेश में हैं कि यदि अगले कोरोना रूपांतरों की वैक्सीन बन भी जाए तो क्या लोग अपनी हिचक त्याग देंगे। जब तक वैक्सीन की प्रभावशीलता को लेकर भारत का डाटा पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल जाता तब तक लोगों में संशय बरकरार रहना स्वाभाविक है। लेकिन कुछ नये आविष्कार आशा जगाते हैं। इस्राइल की ओरामेड और भारत की प्रेमास बॉयोटेक ने संयुक्त प्रयासों से कोविड-19 रोधी गोली बनाई है, जिसे आम दवा की तरह पानी से निगला जा सकेगा। बेंगलुरु की ऑर्गेनाइसेशन डी स्केलिन को अमेरिका की एफडीआई संस्थान एवं यूरोपियन यूनियन से स्केलिन हाईपरचार्ज कोरोना कैनन (शाईकोकैन) नामक उपकरण की प्रभावशीलता को लेकर मान्यता मिल गई है। बिजली से चलने वाले इस उपकरण से निकले निगेटिव चार्ज आयन एक दायरे में हवा में व्याप्त 99.9 प्रतिशत कोरोना वायरस को नकारा कर देते हैं। यह दवा नहीं बल्कि संक्रमण रोधी यंत्र है। कोविड-19 के इलाज में अब तक वायरस-रोधी और अन्य दवाएं असरदार होने में विफल रही हैं, वहीं दो दवाओं का मिश्रण भी सीमित मात्रा में ही प्रभावशाली सिद्ध हुआ है। इनमें एक है कैसिरीवीमेब और दूसरी इम्डैवीमेब है, जो एक हद तक पीड़ित को अस्पताल में भर्ती होने की नौबत बनने से बचाने में सफल रही हैं। डोनाल्ड ट्रंप का इलाज इनकी मदद से हुआ था। हालांकि यह दवाएं भारत में उपलब्ध नहीं हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने लोगों की जीवनशैली के कुछ विशिष्ट अवयवों और संक्रमणग्रस्त होने की संभावना के बीच संबंध पाया है। मोटापा ग्रस्त, मधुमेह-रक्तचाप-हृदय रोग पीड़ितों को संक्रमण का खतरा अधिक है और अस्पताल में भर्ती होने की नौबत भी ज्यादा बनती पाई गई है। उन्हें वैक्सीन अपने चिकित्सक से परामर्श के बाद ही लगवानी चाहिए। जो लोग कोविड नेगेटिव पाए गए हैं, उनके खून में गुड एचडीएल कॉलेस्ट्रोल की मात्रा सही अनुपात में होती है। गुड एचडीएल बढ़ाने के लिए व्यक्ति को रोजाना व्यायाम, अच्छी नींद, पर्याप्त मात्रा में पानी और धूप का सेवन करना चाहिए और साथ ही मोनोसैचुरेटेड फैट युक्त तेल जैसे कि एक्सट्रा वर्जिन ऑलिव ऑयल और एवोकेडो मददगार सिद्ध हो सकते हैं। हृदय रोगी और वे लोग जिनकी विगत में सर्जरी हो चुकी है, उन्हें किसी कोविड संक्रमित व्यक्ति या बुखार ग्रस्त के पास जाने से बचना चाहिए। पॉलीमिरेस चेन रिएक्शन टेस्ट (पीसीआर) बता सकता है कि क्या उन पर कोविड का हमला हो चुका है। यदि टेस्ट में साइकल थ्रैशहोल्ड सूचकांक 24 या इससे कम आता है तो संक्रमण हो चुकने की काफी संभावना है। सनद रहे कि कोविड संबंधी सावधानी पालन और स्वस्थ जीवनशैली आपको बचाने में मददगार होंगे। लेखक सोसायटी फॉर प्रोमोशन ऑफ एथिकल एंड एफोर्डेबल हेल्थकेयर के अध्यक्ष हैं।

ज्ञान गंगा

नींद लेना जरूरी

सद्गुरु

आप जीवन के साथ लड़ाई मत कीजिए। आपको यह जरूर जानना चाहिए कि जीवन के साथ लय में कैसे रहा जाए। आप एक जीवन हैं, आप जीवन के विरोधी नहीं हैं। आपको सिर्फ इस जीवन के साथ लयबद्ध होना है। खुद को चुस्त-दुरुस्त और सेहतमंद रखना एक संघर्ष नहीं है। इसके लिए कोई भी ऐसी गतिविधि कीजिए जिसमें आप आनंद ले सकें-आप कोई खेल खेलिए, तैरिए, सैर कीजिए, जो भी अच्छा लगता है वह कीजिए, लेकिन आपको हलवा खाने के अलावा कुछ अच्छा नहीं लगता। तब तो आपको पता ही है कि दिक्कत होगी। नहीं तो किसी काम को सहजता के साथ करने में कोई दिक्कत नहीं है, आप बस रिलैक्स होना सीखिए। तो सवाल है कि मेरे शरीर को आखिर कितनी नींद की जरूरत है? यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपकी शारीरिक गतिविधि किस तरह की है। आपको अपनी नींद या खाने को तय करने की कोई जरूरत नहीं है। 'मुझे रोज कितनी कैलोरी खानी चाहिए, मुझे रोज कितना सोना चाहिए?' जीवन को संभालने का यह मूर्खतापूर्ण तरीका है। आप अपने शरीर को ही तय करने दीजिए कि आज कितना खाना खाना है। आज आपकी गतिविधि का स्तर कम था, इसलिए आपने कम खाया। कल आपके कामकाज का स्तर बहुत ऊंचा होता है तो आप ज्यादा खाएंगे। यही बात नींद पर भी लागू होती है। अगर आप खूब सहज व आरामदेह स्थिति में रहते हैं, तो आप जगे हुए रहेंगे। आपके शरीर को किसी अलार्म से जागने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। एक बार शरीर जब पूरी तरह से रिलैक्स हो जाए तो फिर यह अपने आप जग जाएगा। अगर जीवन जीने की ललक है तो आपके सिस्टम को ऐसा ही होना चाहिए। और अगर यह बिस्तर को एक कब्र के रूप में देख रहा है तो यह उससे बाहर नहीं आना चाहेगा। अगर आपको इस मौत से बाहर निकालने के लिए किसी की जरूरत पड़ती है तो यह खुद में एक समस्या है। आपको अपने शरीर और मन को ऐसा रखना चाहिए, जिससे इनमें हमेशा जीने की चाहत बनी रहे, उनमें जिंदगी से भागने की चाहत नहीं होनी चाहिए। यह सब कुछ इस पर निर्भर करता है कि आप जीवन को किस तरह से ले रहे हैं। अगर आप एक खास तरह की मानसिक स्थिति में हैं, जहां आप जीवन से बचना चाहते हैं, तो नींद अच्छा जरिया बन जाती है।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। वाणी की सौम्यता बनाये रखने की आवश्यकता है।

वृषभ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। धन हानि की संभावना है।

मिथुन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कर्क व्यावसायिक व पारिवारिक योजना सफल होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। फिजूल खर्ची पर नियंत्रण रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

सिंह व्यावसायिक योजना सफल होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। वाद विवाद की स्थिति आपके हित में न होगी। मकान, सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा।

कन्या बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। वाणी की सौम्यता आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला आर्थिक योजना को बल मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ होने के योग हैं।

वृश्चिक जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी रखें। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मकर पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। राजनैतिक क्षेत्र में किए गए प्रयास सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपको लाभ दिलायेगी। भारी व्यय का सामना करना पड़ सकता है। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कुम्भ पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। खान-पान में संयम रखें। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। मित्रों या रिश्तेदारों से पीड़ा मिलेगी। नेत्र विकार की संभावना है। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

उपचार न मिलने की वजह से हालात बद से बदतर

योगेश कुमार सोनी

बीते मंगलवार दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सतेन्द्र जैन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि दिल्ली में तेरह हजार बेड और पर्याप्त संख्या में वेंटिलेटर मौजूद हैं, इसे लेकर लोगों को घबराने की जरूरत नहीं है। जैन ने स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर ऐसे ही अन्य तमाम दावे किये लेकिन सवाल यही है कि राजधानी कि इतनी बिगड़ती हालत के बीच मंत्रीजी किस आधार पर अपनी प्रशंसा कर रहे हैं। दिल्ली के लगभग सभी सरकारी अस्पतालों में हालत इतनी खराब है कि कोरोना पीड़ित रोगियों को दवा व उपचार तक तो मिल नहीं रहे हैं लेकिन बेड की उपलब्धता के दावे किये जा रहे हैं। इसके अलावा हालत यह है कि अन्य बीमारियों से ग्रस्त रोगियों का इलाज नहीं हो पा रहा है। उपचार न मिलने की वजह से हालात बद से बदतर होने लगे हैं। इसकी वजह से भी काफी संख्या में लोगों की जान जा रही है। किसी भी अस्पताल में एडमिट कराने के लिए लोग बड़े- से-बड़ा सिफारिश ढूंढ़ रहे हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र व छत्तीसगढ़ के अलावा देश के तमाम राज्यों में एकबार फिर कोरोना बम फूटा है। देश एकबार फिर संकट से जूझ रहा है। यदि प्राइवेट अस्पतालों की चर्चा करें तो वह पूर्ण रूप से अपनी जिम्मेदारियों से भागते नजर आ रहे हैं। कोरोना के मरीज को तो वे दूर से ही भगा देते हैं। अन्य रोगियों का भी इलाज करने से बच रहे हैं। जो लोग नियमित रूप से डायलिसिस व अन्य बीमारियों का इलाज करवा रहे हैं, उनको भी इलाज नहीं मिल पा रहा। केजरीवाल सरकार को प्राइवेट अस्पतालों के खिलाफ कार्रवाई करने में न जाने किस बात का डर है। जब देश में इस तरह का संकट है तो अपना फर्ज क्यों नहीं निभाया जा रहा। बीते रविवार दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा था कि जरूरी हो तो अस्पताल जाएं। अब कोई मुख्यमंत्री साहब से पूछे कि बिना जरूरी अस्पताल कौन जाता है। यदि किसी को छोटी-मोटी समस्या या बीमारी होगी तो वह आसपास के किसी डॉक्टर के पास जाता है और समस्या जब बड़ी हो तो किसी अस्पताल में जाता है। यदि गर्भवती महिलाओं की चर्चा करें तो सरकारी अस्पताल में उसे तीन महीने की गर्भवती होने पर अस्पताल में पंजीकरण करवाना अनिवार्य होता है। प्रसव होने तक पूरा इलाज संबंधित अस्पताल में चलता है। वहीं दूसरी ओर अधिकतर मध्यमवर्गीय परिवार या पूंजीपति प्राइवेट अस्पतालों में प्रसव कराते हैं और जैसा कि शुरुआत से लेकर प्रसव तक वह भी उस अस्पताल से जुडे रहते हैं। लेकिन अब कोरोना के फिर से बढ़ते मामलों की वजह से ऐसे परिवारों को परेशानी यह आ रही है कि सरकारी अस्पतालों में डॉक्टर नहीं हैं और अधिकतर प्राइवेट अस्पताल के मालिकों ने कोरोना के डर से फिर से अस्पताल बंद कर दिए। जो खुले हैं वे डिलीवरी केस नहीं ले रहे। दोनों ही स्थिति में लोगों को समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। सरकारी अस्पताल प्रशासन का कहना है कि हमारे पास पहले से ही अपनी क्षमता से अधिक केस होते हैं। यदि किसी ने अपना पंजीकरण पहले से नहीं कराया हो तो उसका प्रसव हमारे यहां कानूनी तौर पर संभव नहीं है। ऐसी स्थिति में कई लोग परेशान हो रहे हैं। आखिर करें तो क्या करें? गर्भवती महिलाओं को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे तमाम परिवार सरकारी अस्पतालों के बाहर परेशान होते दिखाई दे रहे हैं। बीते दिनों दिल्ली स्थित देश के दो नामचीन अस्पताल गंगाराम व एम्स में करीब सत्तर डॉक्टर कोरोना पॉजिटिव पाए गए। यह वे डॉक्टर थे जो गंभीर बीमारियों का इलाज व ऑपरेशन करते हैं लेकिन इन सभी को कोरोना होने की वजह से सभी ऑपरेशन स्थगित हो गए। इन अस्पतालों में ऑपरेशन की तारीख का छह महीने से लेकर एक साल तक इंतजार करना होता है। जो लोग इतने लंबे समय से इंतजार कर रहे थे और जब आगे फिर सालभर बाद की तारीख मिल गई तो उनको कितना प्रभावित होना पड़ रहा है। ऐसी स्थिति में केंद्र व राज्य सरकारों को बेहद गंभीरता से काम करने की जरूरत है। इस बात में कोई दो राय नहीं कि कोरोना के मरीजों की संख्या में अचानक इजाफा होने से स्वास्थ्य विभाग के हाथ-पैर फूल गए लेकिन अस्पतालों की व्यवस्था को सही करना चाहिए। जनसंख्या और मरीजों की बढ़ती संख्या को देखते हुए राजधानी के अस्पतालों में वेंटिलेटर की संख्या सामान्य तौर पर भी बहुत कम है, जिसके लिए केजरीवाल को कई बार अवगत कराया जा चुका बावजूद इसके कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसे कठिन समय में उनके मंत्री यह कह रहे हैं कि पर्याप्त बेड और वेंटिलेटर उपलब्ध हैं।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अडानी ग्रीन की कंपनी को मिली 150 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली: अडाणी ग्रीन एनर्जी की कंपनी एआरईएचफिफटीनएल ने टोरेंट पावर से 150 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना का अनुबंध प्राप्त किया है। अडाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी, अडाणी रिन्यूएबल इनर्जी होल्डिंग फिफ्टीन लिमिटेड (एआरईएचफिफ्टीनएल) ने गुजरात में स्थापित किए जाने वाली और ग्रिड से जोड़ी जाने वाली इस सौर फोटोवोल्टिक विद्युत परियोजनाओं के लिए प्रतिस्पर्धी बोलियों की प्रक्रिया के माध्यम से यह परियोजना हासिल की। शेयर बाजार बीएसई को दी गई सूचना में कहा गया है कि एआरईएचफिफ्टीनएल को 150 मेगावाट क्षमता वाली सौर ऊर्जा परियोजना प्रदान की गई है। इस परियोजना क्षमता के लिए निर्धारित शुल्क, 25 वर्ष की अवधि के लिए 2.22 रुपए प्रति किलोवाट है। इस परियोजना के वित्तवर्ष 2023 के तीसरी तिमाही तक चालू होने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि मौजूदा समय में कंपनी की 3,520 मेगावाट नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाएं चालू हैं। इसके साथ, एजीईएल के पास अब कुल पोर्टफोलियो 15,390 मेगावाट अक्षय ऊर्जा परियोजना की क्षमता है, जिसमें से 11,870 मेगावाट की परियोजनाएं कार्यान्वयन के चरण में हैं।

ग्लनमार्क फार्मा की इकाई ने आईपीओ के लिये सेबी के पास दस्तावेज जमा कराये

नयी दिल्ली, औषधि क्षेत्र की कंपनी ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स ने शनिवोर को कहा कि उसकी पूर्ण स्वामित्व वाली कंपनी ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने प्रारम्भिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिये पूंजी बाजार नियामक सेबी के पास मसौदा जमा करा दिया है। कंपनी ने नियामकीय सूचना में कहा है कि ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज ने प्रारम्भिक सार्वजनिक पेशकश के लिये पूंजी बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास विवरण पुस्तिका का मसौदा (डीआरएचपी) जमा करा दिया है। नियामकीय सूचना में कहा गया है कि ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड इकाई ग्लेनमार्क लाइफ साइंसेज लिमिटेड के दो रुपये अंकित मूल्य वाले अपने पास के 73,05,245 शेयर बाजार में बिक्री की प्रस्तुति (ओएफसी) के जरिए बेचेगी तथा 1,160 करोड़ रुपये के नए शेयर पेश किए जाएंगे । ग्लेनमार्क फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के निदेशक मंडल ने 16 अप्रैल को हुई अपनी बैठक में आईपीओ के एक हिस्से के तौर पर दो रुपये प्रति शेयर मूल्य वाले 73,05,245 इक्विटी शेयरों की बिक्री पेशकश को मंजूरी दे दी।

टाटा स्टील माइनिंग फेरो क्रोम विनिर्माण क्षमता दोगुना करेगी

कोलकाता । टाटा स्टील माइनिंग ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य निकट भविष्य में फेरो क्रोम विनिर्माण क्षमता को 4,50,000 टन से बढ़ाकर 9,00,000 टन प्रतिवर्ष करने की है। टीएसएमएल ने कहा कि उसने वर्ष 2020 की खनिज नीलामियों में तीन क्रोमाइट खानों का अधिग्रहण किया था जो सुकिंदा क्रोमाइट माइन, सारुएबिल क्रोमाइट माइन और कामर्दा क्रोमाइट माइन हैं। अधिकारियों ने कहा कि इन खानों की लीज 50 साल के लिए है। एक बयान में कहा गया है कि खदानें अब 15 लाख टन की वार्षिक क्षमता के साथ चालू हो गई हैं, जिससे कंपनी भारत में क्रोम अयस्क खनन में सबसे बड़ी कंपनी बन गई है। टाटा स्टील माइनिंग लिमिटेड के चेयरपर्सन डीबी सुंदर रामम ने कहा कि हम क्रोम अयस्क की अच्छी गुणवत्ता का लाभ उठाते हुए भारत में अपनी फेरो क्रोम विनिर्माण क्षमता को बढ़ाने का प्रयास करेंगे। यह टीएसएमएल को भारत में सबसे अग्रणी फेरो क्रोम कंपनी बना देगा और वैश्विक स्तर पर उसे शीर्ष पांच में स्थान दिलाएगा।

(शेयर बाजार साप्ताहिक समीक्षा) सप्ताह में दो दिन गिरावट, दो दिन तेजी रही

मुंबई।

एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, एशियन पेंट्स और एचसीएल टेक के शेयरों में बढ़त से शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार तेजी के साथ बंद हुए। पिछले सप्ताह शेयर बाजार में बुधवार को बाबा साहेब अंबेडकर की जयंती के अवसर पर अवकाश रहने के कारण पांच दिन में से केवल चार दिन कारोबार हुआ जिसमें दो दिन सोमवार और गुरुवार को गिरावट और मंगलवार और शुक्रवार को शेयर बाजार में तेजी दर्ज की गई। पिछले चार दिन के कारोबार पर नजर डालें तो सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 1,427 अंकों की गिरावट के साथ 48,164.32 पर खुला और 1707.94 अंक गिरकर 47,883.38 पर बंद हुआ। वहीं व्यापक एनएसई निफ्टी 431.90 अंक गिरकर 14,402.95 पर खुला और 524.05 अंक की गिरावट के साथ 14,310.80 पर बंद हुआ।

मंगलवार को सेंसेक्स 236.71 अंक बढ़कर 48,120.09 पर खुला और 210.33 अंक की बढ़त के साथ 48,093.71 पर बंद हुआ। निफ्टी 68.55 अंक बढ़कर 14,379.35 पर खुला और 72.95 अंकों की तेजी के साथ 14,383.75 पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स 216.73 अंक 0.45 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,327.33 पर खुला और 259.62 अंक की बढ़त के साथ 48,803.68 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.55 अंक फिसलकर 14,442.25 पर खुला और 76.65 अंक मजबूत होकर 14,581.45 पर बंद हुआ। शुक्रवार को सेंसेक्स 161.6 अंक की तेजी के साथ 48,965.28 पर खुला और 28.35 की बढ़त के साथ 48,832.03 पर बंद हुआ। निफ्टी 55.75 अंक की बढ़त के साथ 14,637.20 पर खुला और 36.40 अंक के लाभ से 14,617.85 अंक पर बंद हुआ।

इंडिगो से 30 तक बुकिंग बदलने पर नहीं लगेगा शुल्क

मुंबई ।

देश की प्रमुख घरेलू एयरलाइन इंडिगो अपने यात्रियों के लिए ऑफर लेकर आई है। इंडिगो ने 17 अप्रैल से 30 अप्रैल 2021 तक नई बुकिंग पर चेंज शुल्क माफ कर दिया है। चेंज शुल्क की माफी के साथ इंडिगो ने कहा कि यात्री अब नियमित किराए पर 30 अप्रैल 2021 तक की गई नई बुकिंग के लिए अनलिमिटेड बदलाव कर सकते हैं। हालांकि कंपनी ने केंसिलेशन चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया है। यह पहले की तरह की रहेगा। इंडिगो के एक अे धिकारी ने कहा कि हमारी लगातार यही कोशिश रहती है कि यात्रियों की सुविधाएं बढ़ाई जाएं और उन्हें यात्रा का सुखद अनुभव दिया जाए। यह ऑफर इसी रणनीति का हिस्सा है। हम कोरोना काल में अपने यात्रियों को झंझट मुक्त और सुविधाजनक अनुभव देना चाहते हैं। जो यात्री इंडिगो से यात्रा करना चाहते हैं वे कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट डब्लयूडब्लयूडब्लयूगोइें डिगोडॉटइन के जरिए टिकट बुक करा सकते हैं। बुकिंग के दौरान इस ऑफर के बारे में डिटेल्ड टर्म्स एंड कंडीशंस को देखा जा सकता है। कोरोना की रोकथाम को लेकर अब नागर विमानन महानिदेशालय भी सख्त हो गया है। महानिदेशालय ने चेतावनी जारी की है कि अगर एयरपोर्ट पर कोरोना के नियमों का उल्लंघन करते पकड़े गए तो जुर्माना लगाया जा सकता है।

एचडीएफसी बैंक: चौथी तिमाही में 18.1फीसदी बढ़ा शुद्ध लाभ, एनपीए में भी हुई वृद्धि

बिजनेस डेस्क:

एचडीएफसी बैंक ने शनिवार को 31 मार्च 2021 को समाप्त तिमाही के नतीजों की घोषणा कर दी है। इस दौरान बैंक का शुद्ध लाभ 18.1 फीसदी बढ़कर 8,186.51 करोड़ रुपए रहा। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में बैंक को 6,927.69 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। इस तिमाही में शुद्ध ब्याज आय (NII) 12.6 फीसदी बढ़कर 17,120 करोड़ रुपए हो गई। जबकि 31 मार्च 2020 को समाप्त तिमाही में यह आंकड़ा 15,204 करोड़ रुपए था। तिमाही-दर-तिमाही आधार पर एचडीएफसी बैंक का सकल गैर-निष्पादित आस्तियां (एनपीए) 1.32 फीसदी बढ़ा, जो वित्त वर्ष 2021 की तीसरी तिमाही में 0.81 फीसदी था। बैंक का शुद्ध एनपीए 0.40 फीसदी रहा। एचडीएफसी बैंक ने हाल ही में स्टॉक एक्सचेंजों को सूचित किया था कि उसका जमा आधार 31 मार्च को लगभग 13.35 लाख करोड़ रुपए हो गया है। साल-दर-साल आधार पर इसमें लगभग 16.3 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। बैंक ने कहा कि चौथी तिमाही में उसका कम लागत वाला चालू खाता और बचत खाता (Casa) जमा 27 फीसदी बढ़कर 6.15 लाख करोड़ रुपए हो गया। विश्लेषकों को उम्मीद थी कि साल-दर-सार आधार पर बैंक का शुद्ध लाभ 23 फीसदी बढ़कर 8,550.3 करोड़ रुपए और शुद्ध ब्याज आय 12 फीसदी की वृद्धि के साथ 17,000 करोड़ रुपए होगी।

पिछले कारोबारी दिन 1,430.90 के स्तर पर बंद हुआ था शेयर

पिछले कारोबारी दिन 1,434.95 के स्तर पर खुलने के बाद एचडीएफसी बैंक का शेयर 0.80 अंक (0.056 फीसदी) ऊपर 1,430.90 के स्तर पर बंद हुआ। मौजूदा समय में बैंक का बाजार पूंजीकरण 7.87 लाख करोड़ रुपए है। एचडीएफसी बैंक ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के मामलों में भारी उछाल से भविष्य में बैंक के नतीजे प्रभावित होंगे। बैंक के परिणाम अनिश्चितताओं पर निर्भर होंगे।

अमेजन-पे के जरिये 50 लाख कारोबारियों को पंजीकृत किया, छोटे, मझौले कारोबारियों पर ध्यान: अमेजन

नयी दिल्ली,

आनलाइन मंच के जरिये उत्पादों की बिक्री सुविधा देने वाली कंपनी अमेजन ने शनिवार को कहा कि उसने अमेजन-पे के जरिये 50 लाख कारोबारियों का पंजीकरण किया। कंपनी ने कहा कि वह भारत में डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिये छोटे और मझोले उद्यमों (एसएमबी) की मदद पर उसका ध्यान दे रही है। अमेजन-पे कंपनी की भुगतान प्रणाली कंपनी है। कंपनी ने कहा है कि इन पंजीकृत व्यवसायियों में से बहुत से पहले केवल नकद भुगतान ही स्वीकार किया करते थे लेकिन अब वे अमेजन- पे के क्यूआर कोड का इस्तेमाल करते हुये ग्राहकों से भुगतान स्वीकार कर रहे हैं।

अमेजन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष रुसेल ग्रांडिनेत्ती ने 'अमेजन संभव' कार्यक्रम को संबोधित करते हुये कहा, ''2019 के बाद से अमेजन-पे के जरिये हमने 50 लाख व्यवसायियों को पंजीकृत किया है और चार करोड़ ग्राहकों ने हमारी इस सेवा के जरिये यूपीआई का इस्तेमाल किया है। इस समूचे परिवेश में हम अकेले नहीं हैं, अमेजन की तरह और भी कंपनियां और हमारे प्रतिस्पर्धी सभी यदि मदद करेंगे तो यह चक्र और भी तेजी से घूमेगा।'' उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया में सरकारें और संगठन न केवल भारत के आधार, इंडिया स्टेक और यूपीआई को लेकर उत्साहित हैं बल्कि वह अपने देश में भी इस तरह की व्यवस्था को शुरू करने को लेकर काम कर रहे हैं। ग्रांडीनेती ने भारत में आधार, ई-केवाईसी और यूपीआई का जिक्र करते हुये कहा कि प्रणालियों के आधार पर व्यक्तिगत विक्रेताओं को देशभर में ग्राहकों तक पहुंचने में मदद मिली है। इनके जरिये राज्य की सीमाओं पर आर्डर पहुंचाने में भी आसानी हुई है। अमेजन-पे इंडिया के सीईओ महेन्द्र नेरुरकर ने इस मौके पर कहा कि 50 लाख छोटे व्यवसायियों और उद्यमियों को डिजिटल भुगतान स्वीकार करने योग्य बनाकर कंपनी इन सभी का डिजिटल भारत में समावेष किये जाने की उम्मीद कर रही है। देश में अमेजन-पे को इस्तेमाल करने वाले 50 लाख छोटे और मझौले व्यवसायियों में से 25 लाख से अधिक खुदरा और किराना स्टोर जेसी दुकानों को चलाते हैं। करीब 10 लाख खाने-पीने के छोटे रेस्त्रां और स्टॉल चलाते हैं। पांच लाख से अधिक सैलून सेवायें, चार लाख के करीब स्वास्थ्य और चिकित्सा देखभाल सेवायें उपलब्ध कराते हैं। शेष कुछ टैक्सी चालक, आटो चालक, प्लंबर और अन्य प्रकार की सेवायें देते हैं।

इन्फोसिस के सह- संस्थापक नंदन नीलेकणि ने इस अवसर पर कहा कि छोटे मोटे कारोबार ही भारत का भविष्य हैं। उन्होंने कहा, ''मेरा मजबूती के साथ यह मानना है कि वह आर्थिक वृद्धि और रोजगार सृजन के इंजन हैं। मेरा यह भी मानना है कि उनका बहुत बेहतर भविष्य है .. वह डिजिटल मामले में और अधिक जानकार भी बन रहे हैं।''

नहीं लगा लॉकडाउन, तो चालू तिमाही में 7% बढ़ सकती हैं हायरिंग गतिविधियां: रिपोर्ट

बिजनेस डेस्क:

कोरोना काल में कई लोगों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा तो वहीं कुछ लोगों के वेतन में कटौती हुई। अगर पिछले साल की तरह इस साल लॉकडाउन नहीं लगा, तो चालू तिमाही यानी अप्रैल से जून 2021 में कॉरपोरेट सेक्टर में 7 फीसदी ज्यादा नौकरियां पैदा हो सकती हैं। यह बात टीमलीज की इम्प्लॉयमेंट आउटलुक रिपोर्ट में कही गई है।

इन क्षेत्रों में बढ़ी मांग

रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि हेल्थकेयर, फार्मास्यूटिकल्स, एजुकेशनल सर्विसेज, ई-कॉमर्स एंड टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स और आईटी क्षेत्र से हायरिंग की मांग आ रही है। हेल्थकेयर और फार्मास्युटिकल सेक्टर की 58 फीसदी से भी अधिक कंपनियां नई भर्तियां करने के लिए तैयार हैं, जबकि इस क्षेत्र में पिछली तिमाही यह आंकड़ा 11 फीसदी था। 55 फीसदी एजुकेशनल सर्विसेज कंपनियां, 51 फीसदी ई-कॉमर्स एंड टेक्नोलॉजी स्टार्टअप्स, 50 फीसदी आईटी कंपनियां, 46 फीसदी एफएमसीजी कंपनियां और नॉलेज प्रोसेस आउटसोर्सिंग कंपनियां, 41 फीसदी एग्रीकल्चर-एग्रोकेमिकल्स कंपनियां और 39 फीसदी टेलिकम्युनिकेशन कंपनियों ने हायरिंग की इच्छा जताई है। मालूम हो कि सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि सरकारी नीतियां और वैक्सीनेशन की वजह से अधिकांश देशों में नौकरियां बढ़ने की उम्मीद है। इस बीच कोरोना की नई लहर के कारण कुछ आशंकाएं भी हैं। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) सहित कई वित्तीय संस्थाओं ने भारत की जीडीपी में दो अंकों में वृद्धि की उम्मीद जताई है। देश में कई शहरों में सामान्य संख्या में नई नौकरियां मिलेंगी।

इन शहरों में सामान्य संख्या में नई नौकरियां

गुरुग्राम में 29 फीसदी, चेन्नई में 27 फीसदी, पुणे में 27 फीसदी, मुंबई में 33 फीसदी और कोलकाता में 25 फीसदी नई नौकरियां मिलेंगी। कुल मिलाकर सकारात्मक माहौल है लेकिन एनर्जी, बीपीओ/आईटीई, मीडिया, एंटरटेनमेंट जैसे क्षेत्रों में नई नौकरियों को लेकर उत्साह लौटने में समय लग सकता है।

अमेरिका के सांसदों ने भारत में बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को बढ़ाकर 74 प्रतिशत करने का स्वागत किया

वाशिंगटन, अमेरिका के दो प्रभावशाली सांसदों ने भारत में बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किये जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा है कि भारत सरकार के इस फैसले से द्विपक्षीय व्यापार और निवेश में और मजबूती आयेगी। भारतीय संसद ने पिछले महीने ही बीमा संशोधन विधेयक 2021 को पारित किया। इसके जरिये भारतीय बीमा क्षेत्र में एफडीआई सीमा को बढ़ाया गया। कांग्रेसमैन ब्राड शेरमन और स्टीव चाबोट ने कहा, ''भारतीय बीमा क्षेत्र में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश सीमा को 49 प्रतिशत से बढ़ाकर 74 प्रतिशत किये जाने के एक प्रावधान को शामिल किये जाने से हम काफी उत्साहित हैं।'' इसकी लंबे समय से प्रतीक्षा की जा रही थी। इसके कारण भारतीय उपभोक्ताओं और कारोबार के लिये बीमा कवरेज को विस्तार देने की प्रतिबद्धता के समक्ष लंबे समय से गतिरोध बना हुआ था।'' अमेरिका में भारतीय राजदूत तरनजीत सिहं संधू को लिखे एक पत्र में दोनों सांसदों ने कहा है कि भारत के हाल के सालाना बजट में प्रस्तावित पहल से भारत के महत्वकांक्षी अवसंरचना लक्ष्य के लिये पूंजी की उपलब्धता बढ़ाने में मदद मिलेगी।

Jack Ma को फिर निशाना बना रही चीनी सरकार! अब उठाया ये कदम

बिजनेस डेस्क:

चीनी अरबपति जैक मा को सरकार की आलोचना भारी पड़ रही है। चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग द्वारा एक बार फिर से जैक मा और उनकी कंपनी अलीबाबा को निशाना बनाया जा रहा है। पिछले छह महीने से कम समय में ये तीसरा मौका है जब जैक मा के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। सोमवार को, राज्य-संचालित सिन्हुआ न्यूज एजेंसी का हवाला देते हुए, निक्केई एशिया ने बताया कि चार सरकारी एजेंसियों ने अलीबाबा संबद्ध Ant ग्रुप के साथ जॉइंट रेगुलेटरी बातचीत की थी।

ये चार सरकारी एजेंसियां थीं- पीपुल्स बैंक ऑफ चाइना, चाइना बैंकिंग एंड इंश्योरेंस रेग्युलेटरी कमीशन, चाइना सिक्योरिटीज रेगुलेटरी कमीशन और स्टेट एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फॉरेन एक्सचेंज। शिन्हुआ ने बताया कि सेंट्रल बैंक के डिप्टी गवर्नरों में से एक, पैन गोंगशेंग ने चारों विभागों की ओर से संवाददाताओं के सवालों के जवाब दिए। उन्होंने कहा कि वित्तीय अधिकारियों द्वारा एंट ग्रुप पर फिर से सवाल उठाने का कारण एकाधिकार को रोकना और पूंजी के गलत तरीके से विस्तार को रोकना था। निक्केई एशिया के मुताबिक, चीनी कम्युनिस्ट पार्टी अक्टूबर के बाद से इसी तरह कारणों का हवाले देते हुए कार्रवाई कर रही है।

क्या कहना है चीन सरकार का?

चीन सरकार का कहना है कि बाजार के एकाधिकार पर अंकुश लगाना और पूंजी के अव्यवस्थित विस्तार को रोकने के लिए ही इस तरह के कदम उठाए जा रहे हैं। रिपोर्ट में लिखा गया है कि इस तरह के नए बनाए गए नियमों का सहारा लेकर शी जिनपिंग राजनीतिक मकसद पूरा करने में लगे हैं। शी ने अपने इस विरोधी भ्रष्टाचार अभियान का इस्तेमाल निजी कंपनियों के खिलाफ किया। रिपोर्ट में कहा गया कि चीन में जहां एक ही पार्टी के हाथ में सभी शक्तियां होती हैं, उसका किसी कंपनी के शीर्ष अधिकारियों से पूछताछ करने का मतलब कंपनी के लिए बुरे संकेत होते हैं, जबकि, अब से पहले दो बार पूछताछ हो चुकी है, तो फिर तीसरी बार पूछताछ क्यों?

अदार पूनावाला की अमेरिका से अपील, वैक्सीन के कच्चे माल पर से रोक हटाएं

बिजनेस डेस्क:

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) ने शुक्रवार को कहा कि टीकों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अमरीका को कच्चे माल के निर्यात पर लगा प्रतिबंध हटाने की आवश्यकता है। एसआईआई इस समय एस्ट्राजेनेका एवं ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय द्वारा विकसित कोरोना वायरस रोधी टीका 'कोविशील्ड' बना रहा है और इसका इस्तेमाल केवल भारत में नहीं किया जा रहा, बल्कि इसे कई देशों में निर्यात भी किया जा रहा है। अदार पूनावाला ने इससे पहले स्वीकार किया था कि एसआईआई नौकरशाही एवं सरकारी बाधाओं के कारण टीकों की आवश्यक संख्या के बैच भेजने में समस्याओं का सामना कर रहा है। उन्होंने अमरीका के राष्ट्रपति जो बाइडन के ट्विटर हैंडल को टैग करते हुए ट्वीट किया, 'अमरीका के माननीय राष्ट्रपति, मैं अमरीका के बाहर के टीका उद्योग की ओर से आपसे विनम्र अनुरोध करता हूं कि अगर वायरस को हराने के लिए हमें सचमुच एकजुट होना है, तो अमरीका के बाहर कच्चे माल के निर्यात पर लगे प्रतिबंध को हटाया जाए, ताकि टीकों का उत्पादन बढ़ सके। आपके प्रशासन के पास विस्तृत जानकारी है।' भारत में इन दिनों कोरोना संक्रमण बहुत तेजी से फैल रहा है। रोजाना यहां हजारों की संख्या में लोग पॉजिटिव पाए जा रहे हैं और सैकड़ों लोग रोज मर रहे हैं। भारत समेत कई देशों में कोरोना वैक्सीन की कमी देखने को मिल रही है। इसको लेकर सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के सीईओ अदार पूनावाला ने ट्वीट किया, 'आदरणीय अमरीका के राष्ट्रपति, अगर हम सचमुच वायरस को हराने को लेकर एकजुट हैं तो अमरीका के बाहर के वैक्सीन उद्योग के आधार पर मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि टीका के लिए जरुरी कच्चे माल के निर्यात के पर लगे प्रतिबंध को हटा दें ताकि उत्पादन बढ़ाया जा सके। आपके प्रशासन के पास विस्तृत जानकारी है।'

भारत से औषधियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष में 18% उछाल

हैदराबाद:

भारत से औषधियों का निर्यात पिछले वित्त वर्ष 2020-21 में 24.44 अरब डॉलर के बराबर रहा जो इससे एक साल पहले के 18 प्रतिशत से भी अधिक है। वर्ष 2019-20 में 20.58 अरब डॉलर के बराबर था। भारत से दवाओं के निर्यात में यह उछाल ऐसे समय दिखा है जबक वैश्विक बाजार में हल्का संकुचन रहा। भारतीय औषधि निर्यात संवर्धन परिषद (फार्मेक्सिल) के महानिदेशक उदय भास्कर ने शनिवार को जारी एक बयान में कहा मार्च,2021 में हमने अपने निर्यात में तेज उछाल देखा और यह 2.3 अरब डॉलर (अनंतिम आंकड़े) रहा। मार्च का निर्यात वित्त वर्ष के दौरान किसी भी माह की तुलना में सर्वाधिक है। मार्च माह की वृद्धि दर एक साल पहले के इसी माह के की तुलना में 48.5 प्रतिशत रही। मार्च 2020 में निर्यात 1.54 अरब डालर था। बयान में भास्कर के हवाले से कहा गया है कि पिछले वर्ष मार्च में लॉकडाउन लागू होने से निर्यात पर असर पड़ा था। वर्ष 2020 में वैश्विक औषधि बाजार में एक से दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गयी। इसके विपरीत वर्ष के दौरान भारत से औषधियों की मांग में तेज उछाल दिखा। भारत की दवाओं की गुणवत्ता और इनके मूल्य की व्यावहारिकता के चलते इनकी मांग में तेजी रही। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भारत से वैक्सीन के निर्यात में अच्छी वृद्धि होने की संभावना दिख रही है। इसी तरह भारत सरकार की उत्पादकता आधारित प्रोत्साहन योजना से औषधि क्षेत्र में आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात का आधार मजबूत होगा। उत्तर अमेरिका भारत की औषधियों के लिए निर्यात का सबसे बड़ा बाजार है। वर्ष के दौरान निर्यात में इस बाजार का हिस्सा 34 प्रतिशत रहा। उसके बाद दक्षिण अफ्रीकी बाजार का स्थान है। वहां के निर्यात में 28 प्रतिशत और यूरोपीय बाजार में निर्यात 11 प्रतिशत की दर से बढ़ा।

15 दिनों में 3 हजार रुपए महंगा हुआ सोना, और बढ़ सकते हैं दाम

बिजनेस डेस्क:

कोरोना काल में सोने-चांदी की कीमतों में फिर से बढ़ोतरी देखने को मिली है। अप्रैल महीने में ही सोना 7 फीसदी महंगा होकर 47,169 पर पहुंच गया है। इस दौरान सोना 2,979 रुपए महंगा हुआ है। देश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए एक्सपर्ट को सोने में आगे और तेजी आने की उम्मीद है। स्ष्टङ्ग की बात करें तो सोना यहां भी 47,350 पर पहुंच गया है।

चांदी की बात करें तो अप्रैल में चांदी भी 9 फीसदी महंगी हुई है। 31 मार्च को जब बाजार बंद हुआ था तब चांदी 62,862 रुपए प्रति किलोग्राम पर थी जो अब 68,810 रुपए पर पहुंच गई है यानी इस महीने ही ये 5,948 रुपए महंगी हुई है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने के दाम तेजी से बढ़ने लगे हैं। सोने की कीमत 1,777 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के पार निकल गया है। 1 अप्रैल को सोना 1,730 अमेरिकी डॉलर पर था यानी इस दौरान अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोना 3 फीसदी महंगा हुआ है।

52 हजार तक जा सकता है सोना

ढ्ढढ्ढस्नरु सिक्योरिटीज के वाइस प्रेसिडेंट (कमोडिटी एंड करेंसी) अनुज गुप्ता कहते हैं कि जब भी बाजार में अस्थिरता या अनिश्चितता का माहौल बनता है सोना महंगा होने लगता है। अभी भी कोरोना के कारण दुनियाभर में अनिश्चितता का माहौल बना हुआ है। आने वाले महीनों में सोना फिर 50 से 52 हजार तक पहुंच सकता है।

पिछले साल कोरोना की पहली लहर में 56 हजार पर पहुंच गया था सोना

पिछले साल जब कोरोना अपने चरम पर था तक सोने का भाव अपने हाई पर पहुंच गया था। अगस्त 2020 में 56,200 रुपए के रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा था। उस समय कोरोना महामारी के कारण निवेशकों में डर का माहौल बना हुआ था। इस समय फिर एक बार ऐसा ही माहौल बनने लगा है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बार्सिलोना अध्यक्ष ने क्लब में बने रहने के लिए मेसी को मनाया

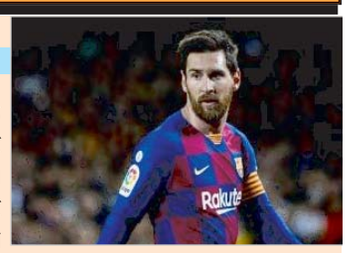

बर्लिन। स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के अध्यक्ष जुआन लापोर्टा ने अपने स्टार फुटबालर लियोनेल मेसी को मना लिया है और मेसी अब क्लब के साथ बने रहने के लिए एक नया करार करेंगे।डीपीए की रिपोर्ट के अनुसार, 33 साल के अर्जेंटीना के मेसी का बार्सिलोना के साथ जारी करार सीजन के अंत में समाप्त होना है और ऐसे कयास लगाए जा रहे थे कि वह पेरिस सेंट जर्मेन या मैनचेस्टर युनाइटेड के साथ जुड़ सकते हैं। बार्सिलोना इस समय कोपा डेल रे फाइनल में एथलेटिक बिल्बाओ के खिलाफ होने वाले मुकाबले की तैयारी कर रही है। लापोर्टा से जब छह बार के बैल डी ओर विजेता मेसी के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, सबकुछ तय कार्यक्रम के अनुसार हो रहा है।उन्होंने कहा, उन्हें क्लब के साथ बने रहने के लिए मैं हरसंभव कोशिश करूंगा और हम यही कर रहे हैं। मेसी प्रेरित हैं। वह अद्‌भुत इंसान है। मैंने उन्हें मना लिया है और वह बार्सिलोना के साथ बने रहना चाहते हैं।मेसी ने इस सीजन में ला लीगा मुकाबलों में बार्सिलोना के लिए 23 गोल और आठ असिस्ट किए है। उन्होंने 2020-21 में सभी प्रतियोगिताओं में 29 गोल दागे हैं।

आईपीएल-14 : केकेआर को हराकर जीत की हैट्रिक लगाना चाहेगा बेंगलोर

चेन्नई।

अपने शुरुआती दो मैच जीतने के बाद रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (आरसीबी) टीम रविवार को एमए चिदंबरम स्टेडियम में कोलकाता नाइट राइडर्स (आरसीबी) का सामना करेगा और उसका लक्ष्य यह मैच जीतते हुए जीत की हैट्रिक लगाना होगा।

आरसीबी के लिए स्पिन फिर से एक महत्वपूर्ण हथियार होगा क्योंकि केकेआर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने पिछले मैच में स्पिन का सामना करने में असमर्थता जताते हुए लेग स्पिनर राहुल चाहर को चार विकेट दे दिए थे। और तो और एक समय प्रभावशाली जीत की स्थिति में दिख रही यह टीम 10 रनों से मैच हार गई थी। आरसीबी के बाएं हाथ के स्पिनर शाहबाज अहमद ने सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में एक स्टिकी पिच पर अहम भूमिका निभाई क्योंकि उन्होंने गेंद को घुमाया और एसआरएच के बल्लेबाजों को अपना विकेट गंवाने पर मजबूर कर दिया। केकेआर के पास भी एक बहुत मजबूत स्पिन गेंदबाजी लाइन-अप है। दोनों पक्षों के स्पिनरों का प्रदर्शन रविवार को इन दोनों के बीच होने वाले इस सीजन के पहले मैच का परिणाम तय करेगा। यह दोपहर में खेला जाने वाला इस सीजन का पहला मैच भी होगा और इसकी शुरुआत दोपहर 3.30 बजे होगी। दिन में तो नहीं लेकिन जैसे-जैसे तापमान गिरेगा तो गेंद स्विंग हो सकती है। आरसीबी के कप्तान विराट कोहली, जिन्होंने पहले दो मैचों में 33 (29 गेंद) के समान स्कोर प्राप्त किया है, वे सीजन का अपना पहला अर्धशतक लगाना चाहेंगे।

टीमें:

केकेआर : शुभमन गिल, नितीश राणा, टिम सेफर्ट (विकेटकीपर), राहुल त्रिपाठी, रिंकू सिंह, दिनेश कार्तिक (विकेटकीपर), इयोन मोर्गन (कप्तान), आंद्रे रसेल, सुनील नरेन, वरुण सीवी, कुलदीप यादव, पैट कमिंस, लॉकी फर्ग्यूसन, कमलेश नागरकोटी, शिवम मावी, संदीप वारियर, प्रसिद्ध कृष्णा, शाकिब अल हसन, शेल्डन जैक्सन, वैभव अरोड़ा, करुण नायर, हरभजन सिंह, बेन कटिंग, वेंकटेश अय्यर, पवन नेगी।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर : विराट कोहली (कप्तान), देवदत्त पडिकल, फिन एलन (विकेटकीपर), एबी डिविलियर्स (विकेटकीपर), पवन देशपांडे, वॉशिंगटन सुंदर, डेनियल लेम्स, युजवेंद्र चहल, एडम जम्पा, शाहबाज अहमद, मोहम्मद सिराज , नवदीप सैनी, केन रिचर्डसन, हर्षल पटेल, ग्लेन मैक्सवेल, सचिन बेबी, रजत पाटीदार, मोहम्मद अजहरुद्दीन, काइल जैमीसन, डैनियल क्रिश्चियन, सुयश प्रभुदेसाई, केएस भारत।

मैच दोपहर 3.30 बजे शुरू होगा।

यूथ मुक्केबाजी : बेबी चानू सहित 6 भारतीय क्वार्टर फाइनल में

कील (पोलैंड)।

साल 2019 की एशियन यूथ चैंपियन बेबीरोजीसाना चानू (51 किग्रा) ने एस्तोनिया की डियाना गोरिसनाजा को हराकर यहां जारी एआईबीए युवा पुरुष और महिला विश्व चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में शनिवार को प्रवेश कर लिया। एड्रियाटिक पर्ल टूर्नामेंट में हाल में स्वर्ण पदक जीतने वाली चानू ने शुरू से ही अपना दबदबा कायम रखते हुए जीत अपने नाम कर ली। चानू इस टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सातवीं भारतीय महिला मुक्केबाज हैं। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली अन्य छह भारतीय महिला मुक्केबाजों में पूनम (57 किग्रा), विंका (60 किग्रा), अरुंधति (69 किग्रा), सनमचा थोचोम (75 किग्रा), खुशी (81 किग्रा) और अल्फिया (81 किग्रा) हैं। पुरुष वर्ग में, अंकित नरवाल (64 किग्रा) ने शानदार फुटवर्क और ताकत दिखाते हुए उज्बेकिस्तान के अखमदजान अखामेदोव को कड़ी टक्कर दी और 5-0 से जीत दर्ज की। 75 किग्रा मिडिलवेट वर्ग में मनीष ने इजराइल के डैनियल इलुशोनोक को हराया। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी को 4-1 से मात दी। अंकित और मनीष दोनों प्री क्वार्टर फाइनल में पहुंच गए हैं। एक अन्य भारतीय जुगनू (91 किग्रा) को हालांकि अंतिम 16 के मुकाबले में 1-4 से हंगरी के लेवेंटे किस के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा।

पहलवान पूजा ढांडा कोरोना वायरस संक्रमित

हिसार : राष्ट्रमंडल खेलों और विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीत चुकी पहलवान पूजा ढांडा ने बताया कि वह कोरोना वायरस जांच में पॉजिटिव मिली है। पूजा ने 2018 राष्ट्रमंडल खेलों में कांस्य पदक जीता था। वह विश्व कुश्ती चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाली चौथी भारतीय महिला है। उन्होंने 2018 में 57 किग्रा भारवर्ग में कांस्य पदक जीता था। हिसार की पूजा ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मैं कोरोना पॉजिटिव पाई गई हूं। जो लोग मेरे संपर्क में आए है वे जांच करवाए और पृथकवास में रहे। मैं भी पृथकवास में हूं। उनके पिता अजमेर ढांडा ने बताया कि पूजा का इलाज यहां अस्पताल में चल रहा है। पूजा हरियाणा खेल विभाग में कुश्ती कोच के पद पर कार्यरत है और उनकी नियुक्ति अभी हिसार के महाबीर स्टेडियम में है।

आईपीएल-14

जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगे दिल्ली और पंजाब

मुंबई।

दिल्ली कैपिटल्स और पंजाब किंग्स की टीमें अपने-अपने पिछले मुकाबलों में मिली हार को भुलाकर रविवार को होने वाले आईपीएल के 11वें मैच में जीत की पटरी पर लौटना चाहेंगे। दिल्ली को पिछले मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ अंतिम ओवर के रोमांच के बाद हार का सामना करना पड़ा था जबकि पंजाब को चेन्नई सुपर किंग्स ने पराजित किया था। ऋषभ पंत की कप्तानी वाली दिल्ली को आईपीएल के इस सीजन के अपने पहले मुकाबले में चेन्नई के खिलाफ जीत मिली थी लेकिन राजस्थान ने उसे पिछले मैच में हरा दिया था। दिल्ली ने राजस्थान को 147 रनों का लक्ष्य दिया था और राजस्थान के पांच विकेट 42 रन पर ही गिरा दिए थे। लेकिन अंत में उसे हार का सामना पड़ा था। पंजाब का पिछले मुकाबले में प्रदर्शन निराशाजनक रहा था और चेन्नई ने उसे 20 ओवर में आठ विकेट पर 106 रन पर रोकने के बाद छह विकेट से जीत हासिल की थी। पंजाब ने इस सीजन के पहले मैच में 221 रन बनाए थे लेकिन पिछले मैच में उसकी टीम दीपक चाहर के आगे बेदम नजर आई थी। पंजाब को कैगिसो रबादा और एनरिच नॉर्त्जे की चुनौती का सामना करना पड़ेगा। पंजाब के लिए सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल की फॉर्म चिंता का विषय है जो दोनों मैचों में असफल रहे हैं।

इस मुकाबले के लिए दोनों टीमें इस प्रकार हैं :

पंजाब किंग्स : लोकेश राहुल (कप्तान और विकेटकीपर), मयंक अग्रवाल, क्रिस गेल, मनदीप सिंह, प्रभसिमरन सिंह, निकोलस पूरन (विकेटकीपर), सरफराज खान, दीपक हुडा, मुरुगन अश्विन, रवि बिश्नोई, हरप्रीत बरार, मोहम्मद शमी, अर्शदीप सिंह, ईशान पोरेल, दर्शन नालकंडे, क्रिस जॉर्डन, डेविड मलान, झाई रिचर्डसन, शाहरूख खान, रिले मेरेदिथ, मोएसिस हेनरिक्स, जलझ सक्सेना, उत्कर्श सिंह, फेबियन एलेन और सौरभ कुमार।

दिल्ली कैपिटल्स : ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), शिखर धवन, पृथ्वी शॉ, अजिंक्य रहाणे, स्टीवन स्मिथ, सैम बिलिंग्स, शिमरॉन हेत्मायेर, इशांत शर्मा, कैगिसो रबादा, एनरिच नॉर्त्जे, उमेश यादव, टॉम करेन, आवेश खान, ललित यादव, प्रवीण दुबे, रिपल पटेल, लुकमान हुसैन मेरिवाल, एम. सिद्धार्थ, मार्कस स्टोयनिस, अक्षर पटेल, रविचंद्रन अश्विन, क्रिस वोक्स, विष्णु विनोद (विकेटकीपर) और आदित्य तारे (विकेटकीपर)।

संक्षिप्त समाचार

जेहान अगर F1 में जगह बनाना चाहती है तो लगातार बेहतर करना होगा : डॉ मार्को

नई दिल्ली : भारतीय चालक जेहान दारूवाला के फार्मूला टू (एफ-टू) सत्र की पहली रेस में बेहतर प्रदर्शन से प्रभावित उनके मेंटोर और रेडबुल (रेसिंग टीम) 'ड्राइवर डेवलपमेंट प्रोग्राम' के प्रमुख डॉ. हेलमुट मार्को ने कहा कि एफ-वन के सपने को साकार करने के लिए उन्हें लगातार बेहतर प्रदर्शन करना होगा। पिछले साल औसत प्रदर्शन के बाद जेहान एफ-टू के मौजूद सत्र में बहरीन में हुए पहले दौर के बाद तालिका में तीसरे स्थान पर हैं। वह स्प्रिंट रेस में दूसरे और फिर चौथे तथा फीचर रेस में छठे स्थान पर रहे थे। मुंबई के इस 22 साल के चालक का सपना नरेन कार्तिकेयन और करूण चंडोक के बाद भारत का तीसरा एफ-वन ड्राइवर बनने का है। चार बार के एफ-वन चैम्पियन सबेस्टियन वेटल के करियर में अहम भूमिका निभाने वाले मार्को ने कहा- पिछले साल की तुलना में पहले दौर में उनका प्रदर्शन अच्छा था लेकिन उसे अभी और सुधार करना होगा। उसका लक्ष्य चैम्पियनशिप जीतना होना चाहिए। खुद एफ-वन ड्राइवर रहे मार्को ने इमोला ग्रांप्री से पहले कहा- लक्ष्य खिताब जीतना है लेकिन इससे वह सीधे एफ-वन में नहीं पहुंच जाएगा। यह सिर्फ एक रेस है। इस समय कुछ भी कहना काफी जल्दबाजी होगी। सब कुछ प्रदर्शन पर निर्भर है। इस दौड़ में और भी कई युवा चालक हैं।

अब 30 मई को नहीं होगा टाटा मुंबई मैराथन, नई तारीख होगी जारी

मुम्बई। टाटा मुम्बई मैराथन के 17वें संस्करण का आयोजन पूर्वघोषित कार्यक्रम के अनुसार अब 30 मई को नहीं होगा। आयोजक प्रोकेम इंटरनेशनल ने शनिवार को कहा कि महाराष्ट्र सरकार और संबंधित एथलेटिक निकायों के साथ विचार-विमर्श के बाद नई तिथि की घोषणा की जाएगी। प्रोकेम इंटरनेशनल के संयुक्त प्रबंध निदेशक विवेक सिंह ने कहा कि पूरे देश में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुम्बई मैराथन 2021 को 30 मई को आयोजित नहीं किया जाएगा। इस बारे में नई तारीख जारी की जाएगी। सिंह ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार और संबंधित एथलेटिक निकायों के साथ विचार-विमर्श के बाद नई तिथि की घोषणा की जाएगी और अब सबकुछ नए सिरे से किया जाएगा। सिंह के मुताबिक रेस मे हिस्सा लेने वाले धावकों और इससे जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की सुरक्षा सर्वोपरि है और इसी को देखते हुए यह फैसला लिया गया है।

आलोचकों को जवाब देने से खुश हैं चाहर, रवि शास्त्री ने की तारीफ

मुंबई ।

दीपक चाहर को अगर विकेट से मदद मिलती है तो खतरनाक हो सकते हैं लेकिन अगर कोई उनके आत्मविश्वास को कम करने की कोशिश करता है जैसा इंडियन प्रीमियर लीग के पहले मैच में खराब प्रदर्शन के बाद 'ट्रोल' करने के बाद हुआ तो वह और भी ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। चाहर ने इस तरह 'ट्रोल' किए जाने के बाद बीती रात पंजाब किंग्स के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया, उन्होंने चार ओवर में एक मेडन से 13 रन देकर चार विकेट हासिल किए। उन्होंने अपने स्पैल में 18 डॉट गेंद फेंकी। इस प्रदर्शन के लिये उन्हें राष्ट्रीय मुख्य कोच रवि शास्त्री से भी प्रशंसा मिली।

शास्त्री ने ट्वीट किया कि तथ्य सिद्ध हो गया। नियंत्रण के साथ दोनों तरीकों से स्विंग सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करा सकती है। बेहतरीन विविधता भरी गेंदबाजी। शानदार। क्रिकेटर अक्सर कहते हैं कि वे सोशल मीडिया पर आलोचनाओं से प्रभावित नहीं होते लेकिन इसके उलट चाहल ने कहा कि उनके सोशल मीडिया पेज पर एक प्रशंसक ने लिखा कि चेन्नई सुपर किंग्स को उन्हें अगले मैच से हटा देना चाहिए। चाहल ने कहा कि यहां उम्मीदें काफी ऊंची हैं और आपको प्रत्येक मैच में अच्छा करना होता है। इसलिए यह प्रदर्शन उस व्यक्ति के लिये जिसने यह टिप्पणी की और अगर मैं नहीं खेला होता तो शायद यह प्रदर्शन शायद नहीं आया होता। चाहर ने स्वीकार किया कि पिच से मदद उनके लिये फायदेमंद साबित हुई। आज के विकेट और आज के प्रदर्शन को देखते हुए मुझे कहना चाहिए कि वानाखेड़े मेरा पसंदीदा मैदान है क्योंकि आपको पिच से शुरू से ही मिलती है।

महिला हॉकी कोर ग्रुप बेंगलुरू के साइ में ट्रेनिंग शुरू करेगा

नयी दिल्ली,

भारतीय महिला हॉकी कोर ग्रुप 10 दिन के ब्रेक के बाद रविवार को बेंगलुरू में राष्ट्रीय शिविर में तोक्यो ओलंपिक खेलों की तैयारियां फिर शुरू करेगा। पच्चीस सदस्यीय ओलंपिक कोर ग्रुप ट्रेनिंग शुरू करने से पहले अनिवार्य पृथकवास से गुजरेगा। जनवरी में टीम ने अर्जेंटीना का दौरा किया था, जहां उसने घरेलू टीम की जूनियर, बी टीम और सीनियर टीम (विश्व रैंकिंग में दूसरे स्थान) के खिलाफ सात मैच खेले थे। यह टीम का 12 महीनों में पहला दौरा था। फरवरी में टीम जर्मनी के दुसेलदोर्फ गयी थी, जहां उसने मेजबानों की सीनियर टीम के खिलाफ चार मैच खेले थे। मुख्य कोच शोर्ड मारिन ने कहा, ''इन मैचों का मिलना हमारे लिये काफी अहम था ताकि हम अभी किस स्तर पर हैं, इसका आकलन कर सकें और ओलंपिक से पहले कुछ विशेष क्षेत्रों में सुधार के लिये क्या जरूरी है, यह पता कर सकें। '' उन्होंने कहा, ''आगामी शिविर में भी, हम इन्हीं क्षेत्रों पर ध्यान लगायेंगे और साथ ही अपनी फिटनेस को प्राथमिकता में रखेंगे। '' भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने कोविड-19 मामलों के बढ़ने के बाद पूरे देश में अपने विभिन्न राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों में नौ अप्रैल को तीन हफ्ते की गर्मियों की छुट्टियों की घोषणा की थी लेकिन कहा था कि ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाले खिलाड़ी अपने शिविरों में ट्रेनिंग जारी रखेंगे।

मोरक्को की बजाय इंग्लैंड में होगा डायमंड लीग ओपनर

लंदन।

इस साल का एलेटिक्स डायमंड लीग 23 मई को इंग्लैड में शुरू होगा। पहले इसका आयोजन मोरक्को में होना था लेकिन कोरोना प्रतिबंधों के कराण आयोजकों ने इसका स्थान परिवर्तन कर दिया है।आयोजकों ने यह भी कहा कि इस साल रोम में बोने वाले फिक्सर्स को अब फ्लोरेंस में कराया जाएगा क्योंकि रोम स्थित ओलंपिक स्टेडियम को इस साल गर्मियों मे होने वाले यूरो 2020 फुटबाल मुकाबलों की मेजबानी के लिए चुना गया है। इसी तरह नार्वे के ओस्लो में होने वाले फिक्सर्स को भी स्थगित कर दिया गया है। कोरोना के बढ़ते मामलों के कारण अब इसका आयोजन 10 जून की बजाए 1 जुलाई कर दिया गया है।

थोड़ा पहले मुकाबले के अनुकूल होने से चीजें अलग होतीं : अंकिता रैना

जुर्माला (लातविया)।

भारतीय महिला टेनिस टीम की टॉप रैंक की एकल खिलाड़ी अंकिता रैना ने यहां जारी बिली जीन किंग कप (पहले फेड कप के नाम से मशहूर) बीजेके कप के शुरूआती मुकाबले में लातविया की खिलाड़ी के खिलाफ मिली हार के बाद कहा है कि अगर वह अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ पहले से ही मुकाबले के अनुकूल होतीं तो शायद चीजें थोड़ा अलग होती।

भारतीय महिला टेनिस टीम की टॉप रैंक की एकल खिलाड़ियों अंकिता रैना और करमन कौर थांडी को लातविया के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के बाद भारतीय टीम अब लातविया के खिलाफ 0-2 से पीछे हो गई है। विश्व रैंकिंग की 174वीं नंबर की खिलाड़ी रैना ने मुकाबले के बाद कहा, जैसा कि पहले सेट से ही मुझे समझ में आ गया कि वह (ओस्टापेंको) क्या कर रही थीं और मुझे अपने खेल में बदलाव करने की आवश्यकता थी। यह अच्छा था कि मैं उनके खेल के अनुकूल हो सकी, लेकिन यह शायद थोड़ा अलग होता, अगर मैं अनुकूल हो जा जाती तो। 2017 की फ्रेंच ओपन चैंपियन ओस्टापेंको ने रैना को 6-2, 5-7, 7-5 से मात दी। ओस्टापेंको ने दो घंटे और 24 मिनट में यह मुकाबला जीता।उन्होंने कहा, जब आप अपने देश के लिए खेलती हैं, तो आप प्रत्येक चीज के लिए लड़ते हैं और यह मैच में देखा गया। मुझे लगा कि मैं पहले सेट में थोड़ा बेहतर कर सकती हूं और मैंने (दूसरा सेट जीतने के लिए) कोशिश किया, लेकिन ओस्टापेंको पहले भी इस तरह के मैच खेल चुकी हैं और सर्वश्रेष्ठ स्तर पर खेली हैं।लातविया की नंबर 1 खिलाड़ी सेवास्तोवा ने विश्व रैंकिंग में 691 की नंबर खिलाड़ी थांडी को 6-4, 6-0 से मात दी। सेवास्तोवा ने एक घंटे और 17 मिनट में यह मुकाबला अपने नाम किया। भारत पहली बार इस टूर्नामेंट में भाग ले रहा है। थांडी ने कहा, शीर्ष-50 खिलाड़ी के खिलाफ पहली बार किसी खेलने से सीखने का बहुत बड़ा अनुभव है। अब, मुझे अपने बैसिक पहलू पर काम करने की जरूरत है। कुछ साल बाद इस स्तर पर खेलना और एक शीर्ष -50 खिलाड़ी के खिलाफ खेलना आसान नहीं है।

स्टार इंडिया को अगले पांच सीजन के लिए मिले पीकेएल के मीडिया राइट्स

मुम्बई।

स्टार इंडिया ने प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) के अगले पांच सीजन (2021 से 2025) के मीडिया राइट्स हासिल कर लिए हैं। स्टार ने शनिवार को आयोजित ऑनलाइन ऑक्शन के जरिए ये अधिकार प्राप्त किए। मशाल स्पोर्टस ने ओपन टेंडर के जरिए राइट्स के लिए इच्छुक कम्पनियों को ऑफर दिया था। इसी के तहत स्टार को औसत वार्षिक मूल्य के आधार पर मीडिया राइट्स मिल गए। यह मूल्य बीते सीजन के राइट्स फीस से दो गुना है। स्टार इंडिया पीकेएल के बीते सात सीजन का मीडिया राइट्स पार्टनर रहा था लेकिन यह पहला मौका था जब लीग के आयोजक मशाल स्पोर्ट्स ने योग्य घरेलू एवं ग्लोबल प्लेअर्स के सामने ओपन टेंडर प्रॉसेस के जरिए अधिकार पाने का प्रस्ताव रखा था। पीकेएल के आठवें सीजन का आयोजन 2020 में होना था लेकिन कोरोना के कारण इसे स्थगित कर दिया गया। इस साल आठवें सीजन के आयोजन को लेकर चर्चा तेज है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

विटामिंस की खोज किसने की?

यह सभी जानते हैं कि विटामिन रासायनिक पदार्थ होते हैं जो हमारे शरीर के स्वस्थ रहने के लिए जरूरी हैं। विटामिन्स अलग-अलग तरह के भोजन में पाए जाते हैं। वैज्ञानिक विटामिन्स के 6 प्रकारों को 'ए', 'बी', 'सी', 'डी', 'ई' और 'के' कहते हैं। असल में विटामिन 'बी' में विटामिन्स का पूरा समूह होता है।

क्या आप जानते हैं कि विटामिंस की खोज किसने की? विटामिन की खोज एक डच जीवाणु विशेषज्ञ, क्रिश्चियान एइकमैन (1858-1930) द्वारा अचानक ही हो गई थी। उन्होंने सबसे पहले ध्यान दिया कि जो मुर्गियां चावल के दाने खाती थीं वे बीमार पड़ गईं। उन्होंने यह कारण खोज निकाला कि अनाज की ऊपरी सतह को यदि हटा दिया जाए तो उसमें मौजूद रसायन भी निकल जाते हैं जिसे हम विटामिन कहते हैं।

जब एइकमैन 1886 में इंडोनेशिया दौरे पर 'बेरी-बेरी' नामक महामारी की पड़ताल करने गए तो उनके दावों को और अधिक सच माना गया। बाद में वह यह साबित करने में सक्षम रहे कि 'बेरी-बेरी' का रोग डाइट की कमी से होता है। इससे विटामिन्स की खोज हुई और यह बात सामने आई कि विटामिन सेहत के लिए बहुत जरूरी है।

एइकमैन, हालांकि पूरी तरह से विटामिन्स के बारे में नहीं समझ पाए। बाद में फैडरिक हॉपकिन जो ब्रिटिश वैज्ञानिक थे, ने इस सिद्धांत को समझा कि मानव शरीर को कुछ मात्रा में ऐसे रसायनों की आवश्यकता है जो उन्हें सेहतमंद रख सकें। उन्होंने यह कहा कि रिकेट्स या स्कर्वी जैसे रोगों से बचा जा सकता है यदि भोजन में या किसी दूसरी चीज में जरूरी रसायन यानी कि विटामिंस लिए जाएं। ऐसा बिल्कुल सही माना गया और विटामिंस के प्रकारों को नाम भी दिए गए।

वास्तव में विटामिंस के कई स्रोत तथा उपयोग हैं जैसे विटामिन 'ए', मक्खन, दूध, अंडे, हरी सब्जियों और मछली में पाया जाता है जो बीमारियों से लड़ने में सहायक होते हैं। विटामिन 'बी' भूख बढ़ाता है। यह तंत्रिकाओं तथा त्वचा में शक्ति बढ़ाता है। यह यीस्ट, मीट तथा अलग-अलग अनाजों में पाया जाता है। विटामिन 'सी' खून साफ करने में सहायक है तथा जुकाम से सुरक्षा प्रदान करता है। यह मुख्य तौर पर फल जैसे संतरे तथा नींबू आदि में पाया जाता है।

हड्डियों की मजबूती के लिए विटामिन 'डी' की आवश्यकता होती है जो कॉड मछली के तेल तथा अंडे की जर्दी आदि में पाया जाता है। विटामिन 'ई' मोटे अनाजों और अन्य प्रकार के भोजन में पाया जाता है। विटामिन 'के' खून के बहाव को रोकने और क्लॉट के लिए विशेष रूप से जरूरी है। अत: चोट लगने पर खून के रिसाव को रोकने के लिए यह बहुत महत्वपूर्ण है। यह बहुत सी चीजों में मौजूद होता है जैसे लिवर तथा हरी सब्जियों इत्यादि में।

ऊपर दिए गए तथ्यों से हमें पता चलता है कि विटामिंस हमारी सेहत के लिए बहुत जरूरी हैं। इस महत्वपूर्ण खोज के लिए क्रिश्चियान एइकमैन और फैडरिक हॉपकिन को 1929 में नोबेल पुरस्कार से नवाजा गया था।

विटामिन	रोग
'ए'	रतौंधी
'बी'	बेरी-बेरी, तंत्रिका संबंधी समस्याएं
'सी'	स्कर्वी
'डी'	रिकेट्स
'ई'	खून की कमी
'के'	हैमरेज

हंसो, हंसाओ, सेहत बनाओ

दोस्तों, तुम्हें कॉमेडी मूवीज देखना तो बहुत अच्छा लगता होगा। ऐसी मूवीज देखकर तुम खुद भी हंसते होगे और किस्से सुनाकर दोस्तों को भी हंसाते होगे। साथ में क्लास में भी मस्ती कर हंसी ठहाके लगाते होगे। हंसते-हंसाते रहो, पर जान लो हंसने के फायदों के बारे में...

वर्ल्ड हेल्थ डे

वर्ल्ड हेल्थ डे वर्ल्ड हेल्थ ऑरगनाइजेशन की तरफ से हर साल मनाया जाता है। इस साल वर्ल्ड हेल्थ डे ऐसे मच्छरों, जानवरों और कीड़े-मकोड़ों पर लोगों का ध्यान ले जा रहा है जो तरह-तरह की बीमारियां पैदा करते हैं। हंसने और खुश रहने से तुम्हारा मूड तो अच्छा रहता ही है साथ में तुम्हारी सेहत भी ठीक रहती है।

इम्यून सिस्टम ठीक रहेगा

हंसने मुस्कुराने से तुम्हारा इम्यून सिस्टम अच्छा होगा। इम्यून सिस्टम अच्छा होने से तुम कई तरह की बीमारियों से बच सकते हो। साथ में तुम्हें सर्दी-जुकाम भी जल्दी नहीं होगा।

टेशन फ्री होगे

दोस्तों के साथ हंसने और मस्ती करने से तुम्हें किसी तरह की चिंता नहीं होगी। साथ में तुम किसी भी मुश्किल काम को आसानी से कर लोगे। यही नहीं खुश रहने से शरीर में पैदा होने वाले ऐसे हार्मोन जो तनाव बढ़ाते हैं उनको भी कम करने में मदद करता है।

दोस्तों में लोकप्रिय होगे

तुम्हारे खुश रहने से तुम्हारे दोस्त बढ़ते जाएंगे। ज्यादा से ज्यादा लोग तुम्हारे दोस्त बनना चाहेगे। तुम्हारे पुराने दोस्तों से दोस्ती और पक्की हो जाएगी। तुम्हें सबके साथ मिल-जुल कर काम करने में मजा आएगा।

दिल की बीमारी से छुटकारा

आजकल अक्सर ही लोग इस बीमारी से परेशान रहते हैं। खुश रहने से इस तरह की बीमारियों से तो छुटकारा मिलेगा ही हार्ट अटैक की सम्भावना भी कम होती है।

दर्द कम होगा

खुश रहने और हंसने-मुस्कुराने से दर्द कम होता है। साथ ही तुम किसी भी तरह की बीमारी से आसानी से निपट लोगे।

आत्मविश्वास बढ़ता है

खुश रहने से आत्मविश्वास बढ़ता है। साथ में किसी भी काम को करने के लिए नए-नए आइडियाज भी तुम्हारे दिमाग में तेजी से आते रहेगे।

लम्बे समय तक जीओगे

जो लोग खुश रहते हैं वो लोग लम्बे समय तक जीते हैं। इसका मतलब है कि वो दुखी रहने वाले लोगों की तुलना में ज्यादा दिनों तक जीते हैं।

ब्लड प्रेशर कम रहता है

आजकल तुमने ब्लड प्रेशर से परेशान लोगों के बारे में तो सुना ही होगा। खुश रहने से शरीर में ब्लड का फ्लो भी ठीक रहता है और ब्लड प्रेशर भी कम होता है।

मेमोरी बढ़ती है

खुश रहने से न केवल तुम्हारी मेमोरी बढ़ती है बल्कि तुम्हारे अंदर कुछ सीखने की क्षमता का भी तेजी से विकास होता है। तुम कुछ नया सीखने को उत्साहित रहते हो और इसीलिए तुम्हारी रचनात्मकता भी बढ़ती जाती है। यही नहीं हंसने-मुस्कुराने से तुम्हारी क्रिएटिविटी भी बढ़ती है।

अच्छी नींद आती है

खुश रहने से तुम्हें नींद भी अच्छी आती है। इसका मतलब है कि तुम्हारे घर में जो बुजुर्ग नींद नहीं आने की प्रॉब्लम से परेशान हैं उनकी समस्या खुश रहने से हल हो जाएगी। इसलिए तुम उनकी मदद करो।

डॉग्स के लिए बन रहा होटल चेल्सी

इंसानों के होटल तो सभी जगह बने होते हैं, लेकिन पेट्स के लिए होटल न के बराबर हैं। कई पेट्स मालिक अपने पेट्स को अपने जैसे होटल में स्टे कराना चाहते हैं। इसी बात को ध्यान में रखते

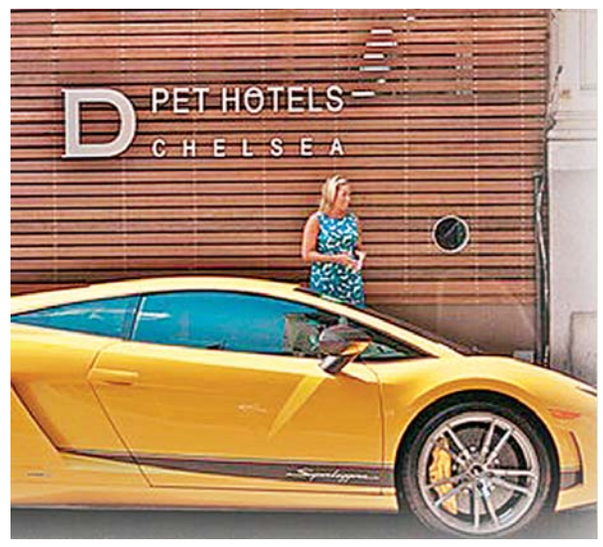

हुए न्यूयॉर्क में एक ऐसा ही होटल बनाया जा रहा है, जिसमें एंट्री सिर्फ कुत्तों की होगी। यह होटल जल्द ही शुरू हो रहा है। इस होटल को सामान्य होटलों की कैटेगरी में रखा गया है, जिसमें नॉर्मल, डीलक्स और सूट शामिल होंगे। इसका नाम होटल चेल्सी रखा गया है। इसमें डबल बेड के अलावा नर्म और स्पंज वाले पिलो होंगे। रूम में फ्लैट स्क्रीन टीवी रखा गया है। इस टीवी में जानवरों से संबंधित कार्यक्रम चलते रहेंगे, जैसे वाइल्ड लाइफ आदि। इसके अलावा रूम का डेकोरेशन कुत्तों को ख्याल में रखकर किया गया है। कुत्ते को फिट रखने के लिए फिटनेस सेंटर भी बनाया गया है। खाना बनाने के लिए शैफ भी रखे जाएंगे। यहां के सारे रूम सीसीटीवी से लैस होंगे, जिससे अगर कुत्तों को रूम में किसी तरह की परेशानी हो तो कंट्रोल रूम में देखकर उसका समाधान कर दिया जाएगा।

क्या जानवर रंग पहचानते हैं?

जानवरों की रंग पहचानने की क्षमता का पता लगाने के लिए वैज्ञानिकों ने काफी परीक्षण किया है, जिससे पता चलता है कि कुछ जीव रंगों की पहचान करने में सफल हो गये तो कुछ रंग नहीं देख सके।

मछलियां बहुत सुंदर और रंग-बिरंगी होती हैं, लेकिन ये एक-दूसरे की खूबसूरती को देख नहीं सकतीं, क्योंकि ये रंगांध होती हैं। यानी, रंगों को पहचान नहीं सकतीं। कुत्ते भी रंगों को नहीं पहचान पाते। वे किसी भी स्थान या वस्तु को उसके रंग से नहीं, गंध से पहचानते हैं।

एक परीक्षण में कुछ कुत्तों को पहले खास तरह की आवाजें सुनाई गईं। इन आवाजों के बाद ही उन्हें भोजन दिया जाता था। कुछ दिन के प्रशिक्षण के बाद देखा गया कि इन ध्वनियों को बजाते ही कुत्तों के मुंह लार से भर जाते थे। बाद में यही प्रयोग रंगों को लेकर किया गया। लेकिन कुत्ते, भोजन की लालसा के बावजूद एक रंग का दूसरे से विभेद करने में सफल नहीं हो पाये।

बिल्लियां भी रंगों को नहीं पहचानती हैं।

मुर्गियों के बारे में परीक्षण करने से पता चला है कि वे हरे, नीले, काले और बैंगनी रंग को नहीं पहचानतीं, जबकि सफेद रंग को पहचान लेती हैं।

बंदर रंगों के प्रति संवेदनशील होता है और वह अलग-अलग रंगों की पहचान कर सकता है। कुछ परीक्षणों ने इसकी पुष्टि भी की है। बंदरों को भोजन के लिए एक ऐसी अलमारी के पास जाने के लिए प्रशिक्षित किया गया, जिसका दरवाजा एक खास रंग से रंगा गया था। बाद में उसने दूसरे रंग से रंगे दरवाजे वाली अलमारी के पास जाने में दिलचस्पी लेना ही बंद कर दिया।

गाय, बैल, गधे जैसे पशु प्राय: सभी वस्तुओं को खाकी रंग में रंगा पाते हैं। एक सीमा तक सफेद रंग को भी पहचान लेते हैं, लेकिन गहरा हरा, लाल, नीला या काला रंग नहीं पहचान सकते।

अनेक परीक्षणों से यह सिद्ध हो चुका है कि सांड रंग के प्रति अंधा होता है, अर्थात् वह रंग भेद नहीं कर सकता। जब वह रंग पहचान ही नहीं सकता, तो फिर लाल रंग से भड़क उठने की बात महज एक गलत धारणा है। सांड को भड़काने के लिए कपड़े का हिलाना ही काफी है, चाहे वह लाल, पीला, नीला सफेद या किसी भी रंग का हो।

घोड़े हरे व पीले रंग को पहचान लेते हैं तथा दोनों में भी परस्पर भेद कर लेते हैं, पर लाल व नीले रंग को पहचानने में वे अच्छे नहीं जान पड़ते हैं।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

UP में 10 नए ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने का CM योगी ने दिया निर्देश, 6 करोड़ से अधिक आएगी लागत

लखनऊः

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश में कोरोना मरीजों को किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े इसके लिए एक मजबूत रणनीति तैयार की है। प्रदेश में कोरोना से निपटने के लिए तेजी से सुविधाओं का विस्तार करते हुए सीएम योगी ने कोविड-19 प्रबंधन के लिए गठित टीम-11 को दिशा-निर्देश देते हुए प्रदेश में ऑक्सीजन की किल्लत न हो इसके लिए प्रदेश में अलग-अलग स्थानों पर जल्द ही 10 नए ऑक्सीजन प्लांट स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। प्रदेश में शनिवार को ही आला अधिकारियों को 10 नवीन ऑक्सीजन प्लांट की स्थापना के लिए स्थान को चिन्हित कर युद्धस्तर पर कार्यवाही शुरू करने के आदेश सीएम ने दिए हैं।

6 करोड़ से अधिक आएगी लागत

इसके साथ ही सीएम ने स्वास्थ्य मंत्री और अपर मुख्य सचिव स्वास्थय को इस पूरी प्रक्रिया पर पैनी नजर बनाए रखने के आदेश भी दिए हैं। प्रत्येक ऑक्सीजन प्लांट को बनाने में 63 लाख रुपए व्यय किए जाएंगें। इस प्रकार प्रदेश में तैयार किए जाने वाले इन दसों ऑक्सीजन प्लांट को बनाने में छह करोड़ से अधिक धनराशि को व्यय किया जाएगा।

सुनिश्चित करें ऑक्सीजन और रेमिडीसीवीर की पर्याप्त उपलब्धता

बता दें कि प्रदेश के प्रत्येक जनपद में चिकित्सा कर्मियों, कोविड बेड, दवाओं, मेडिकल उपकरणों और ऑक्सीजन की पर्याप्त उपलब्धता को सुनिश्चित करने के लिए सीएम ने इन सभी पर कड़ी निगरानी रखने के आदेश दिए हैं। सीएम ने खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को ऑक्सीजन और रेमिडीसीवीर की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कहा है। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा मेडिकल ऑक्सीजन की सुचारु आपूर्ति के संबंध में स्थापित कंट्रोल रूम 24×7 सक्रिय रहे। ऑक्सीजन उपलब्धता की दैनिक समीक्षा करने के निर्देश भी सीएम ने दिए हैं।

36 घंटे पहले ही अनुमानित ऑक्सीजन की उपलब्धता को किया जाएगा सुनिश्चित

प्रदेश के सभी अस्पतालों में अगले 36 घंटों के लिए पूर्ति अनुसार ऑक्सीजन का आंकलन कर उसकी उपलब्धता को सुनिश्चित करने के निर्देश सीएम ने दिए हैं। प्रदेश में रेमिडीसीवीर समेत दूसरी जरूरत की दवाओं की कोई कमी नहीं है। सभी जिलों में इनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के आदेश सीएम ने दिए हैं।

निजी मेडिकल कॉलेजों को अब बिना झंझट मिलेगा सिलेंडर

प्रदेश के निजी मेडिकल कॉलेजों में जहां ऑक्सीजन सिलेंडरों की कमी के कारण आईसीयू बेड उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं, ऐसे संस्थानों को राज्य सरकार ऑक्सीजन सिलेंडर उपलब्ध कराएगा। सीएम ने डीजी मेडिकल एजुकेशन इस व्यवस्था को सुनिश्चित करेंगे।

अवध शिल्प ग्राम में तैयार होगा नया कोविड अस्पताल

राजधानी लखनऊ के अवध शिल्प ग्राम में एचएएल के सहयोग से एक नया सभी सुविधाओं से लैस एक कोविड हॉस्पिटल तैयार किया जाएगा। सीएम ने स्वास्थ्य विभाग को एचएएल से समन्वय स्थापित कर इस महत्वपूर्ण कार्य को तत्काल क्रियाशील करने के आदेश दिए हैं।

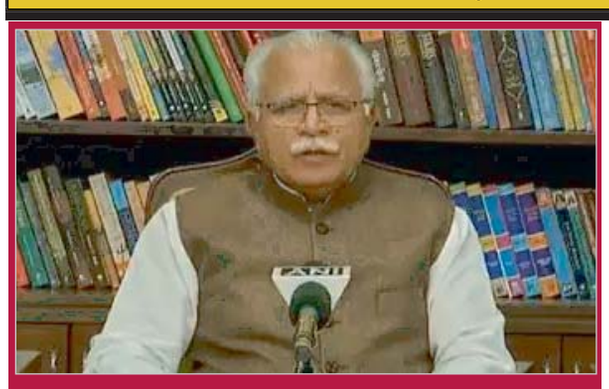

कोरोना नियंत्रण को खट्टर सरकार का बड़ा कदम

रोहतक। हरियाणा सरकार ने 12 आईएएस अफसरों को उनके वर्तमान कार्यभार के अलावा जिलों में कोविड-19 रोकथाम संबंधी तैयारियों की समीक्षा और निगरानी करने के लिए तैनात किया है। एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि संजीव कौशल को फरीदाबाद, आलोक निगम-पंचकूला, देवेन्द्र सिंह- करनाल, टी.सी. गुप्ता-गुरुग्राम, अमित झा-सोनीपत, एस.एन. रॉय-अंबाला, महावीर सिंह-झज्जर, अनुराग रस्तोगी-हिसार, विनीत गर्ग-सिरसा, जी. अनुपमा-कुरुक्षेत्र, अपूर्व कुमार सिंह-पानीपत और राकेश गुप्ता को रोहतक जिले में तैनात किया गया है। ये सभी अफसर संबंधित जिलों में अपने दौरे के दौरान विभिन्न मुद्दों पर निगरानी रखेंगे। इनमें कोविड-19 महामारी के खिलाफ जिला प्रशासन की सक्रिय भागीदारी, कोविड-19 टेस्टिंग और विभिन्न सरकारी और गैर सरकारी, धार्मिक और अन्य संगठनों के माध्यम से कोविड टीकाकरण में वृद्धि, जिलों में कोविड-19 से निपटने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों आदि में आइसोलेशन बैड, ऑक्सीजन स्पोर्ट बैड, आईसीयू बैड, वेंटिलेटर्स, दवाइंयां, मास्क, पीपीई किट, सैनिटाइजर आदि की समीक्षा करना, जरूरत आधार पर अधिक निजी अस्पतालों को कोविड-19 इलाज के लिए जोड़ना, सक्रिय कोविड-19 पॉजिटिव मामलों के कॉन्टेक्ट ट्रेसिंग बढ़ाना, जिला प्रशासन द्वारा माइक्रो कंटेनमेंट जोन की उचित डिमार्केशन, होम आइसोलेशन में रह रहे कोविड-19 मरीजों के लिए व्यवस्थाओं की समीक्षा, सार्वजनिक स्थलों पर कोविड-19 एप्रोप्रिएट व्यवहार जैसे सोशल डिस्टेंसिंग, मास्क पहनना, हाथों की सफाई आदि लागू करना और सामाजिक समारोहों विशेष तौर पर बैंक्वेट हॉल में शादियों और अन्य पारिवारिक समारोहों के दौरान सरकार द्वारा जारी आदेशों का सख्ती से कायार्न्वयन सुनिश्चित करना शामिल हैं। हरियाणा में कोरोना संक्रमण एक बार फिर तेजी से पैर पसारने लगा है। शुक्रवार को राज्य में कोरोना संक्रमण के 6277 नए मामले सामने आए जिससे राज्य में इससे संक्रमितों की कुल संख्या 342077 हो गई है। इनमें से 304906 लोग ठीक हो चुके हैं। 20 कोरोना मरीजों के आज दम तोड़ देने से राज्य में इस महामारी से मरने वालों की कुल संख्या 3354 हो गई है।

जरूरतमंदों के मददगार सोनू सूद को हुआ कोरोना

मुंबई । अभिनेता सोनू सूद कोरोना संक्रमित हो गए हैं। उन्होंने एक ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। उनके कोरोना संक्रमित होने के बाद प्रशंसक उनके लिए दुआएं कर रहे हैं। सोनू सूद ने हाल ही में अमृतसर में कोविड 19 की पहली डोज ली थी। सोनू सूद ने सोशल मीडिया पर लिखा कि 'कोविड पॉजिटिव, मूड और स्प्रिट सुपर पॉजिटिव। सभी को हाय। आज सुबह मेरा कोविड 19 टेस्ट पॉजिटिव आया है। सुरक्षा के तमाम नियमों को देखते हुए मैंने पहले ही खुद को क्वारंटीन कर लिया है और ध्यान रख रहा हूं लेकिन चिंता मत करिए। इसने मुझे अपनी समस्याओं को हल करने के लिए पर्याप्त समय दिया है। याद रखिए मैं हमेशा आप के लिए हूं। कोरोना के मामले जब कम हुए थे तब सोनू उन प्रवासी मजदूरों के काम के जुगाड़ में लग गए थे जो घर तो पहुंच गए लेकिन उनके पास काम नहीं था। पिछले एक साल से वो लगातार कोरोना की इस मुश्किल घड़ी में लोगों की मदद करते आ रहे हैं लेकिन अब जिस रफ्तार से संक्रमितों की संख्या में रिकॉर्डतोड़ बढ़ोत्तरी हो रही है उसके आगे वो भी बेबस नजर आए। सोनू सूद ने एक ट्वीट कर कहा कि उनके पास हजारों लोगों के कॉल आ रहे हैं लेकिन सभी की मदद नहीं कर पा रहे हैं। वो बहुत लाचार महसूस कर रहे हैं। एक ट्वीट में सोनू सूद लिखते हैं कि 'मैं निश्चित हूं कि हम सब मिलकर अनेक लोगों की जिंदगियां बचा सकते हैं। यह समय किसी पर दोष मढ़ने का नहीं है बल्कि एक ऐसे जरूरतमंद के लिए आगे आने का वक्त है जिसे आपकी जरूरत है। कोशिश करिए उन्हें चिकित्सा संबंधी आवश्यकताएं पहुंचाईं जा सकें। चलिए मिलकर जिंदगियां बचाते हैं। हमेशा आपके लिए उपस्थित।

उत्तराखंड में मैदानी इलाकों में बारिश, पहाड़ों में बर्फबारी

देहरादून । उत्तराखंड में शनिवार को मौसम खराब हो गया। एक ओर देहरादून में जहां तेज हवाएं चलने लगीं तो वहीं दूसरी ओर पहाड़ी इलाकों में बारिश और बर्फबारी हुई। दोपहर बाद राजधानी देहरादून में बारिश हुई। जिसके बाद धूप निकल आई। शनिवार को राज्य में अधिकतर इलाकों में बादल छाए हुए हैं। चमोली और रुद्रप्रयाग जिले में भी मौसम खराब हो गया है। चमोली में ऊंचाई वाले इलाकों में बारिश और बर्फबारी हुई है। जबकि निचले क्षेत्रों में तेज हवा चल रही है। रुद्रप्रयाग में धूप छांव का खेल जारी है। नई टिहरी और आसपास के क्षेत्रों में तेज बारिश हुई। बागेश्वर में दस मिनट तक तेज बारिश हुई। बडकोट के साथ आसपास के क्षेत्रों में हवा के साथ बारिश हुई। वहीं इससे पहले शुक्रवार को राजधानी के कुछ इलाकों में आंधी के साथ बारिश हुई थी। जिससे गर्मी से कुछ राहत मिली। मसूरी शहर में अचानक मौसम का मिजाज बदलने से हल्की बारिश हुई, जिससे मौसम में हल्की ठंड लौट आई। बारिश के बाद तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इससे मौसम खुशनुमा हो गया।

गुजरात के हीरा उद्योग पर महामारी बेअसर

सूरत। कोरोना वायरस महामारी से सभ उद्योग प्रभावित हुए हैं। कोरोना संक्रमण के मामले और मौतों की संख्या में जारी वृद्धि के चलते खौफनाक माहौल बना हुआ है। कोविड-19 के मामले बढने और लॉकडाउन लगने की आशंका में प्रवासी मजदूर बड़ी संख्या में अपने गांवों की तरफ जाने लगे हैं। लेकिन गुजरात के सूरत शहर के हीरा उद्योग का दावा है कि मौजूदा स्थिति का डायमंड इंडस्ट्री पर फिलहाल कोई असर नहीं हुआ है। सूरत डायमंड एसोसियेसन के मुताबिक सूरत शहर में 3,000 के करीब छोटे और बड़े हीरा कारोबारियों द्वारा पांच लाख कर्मचारियों को काम पर रखा गया है। यहां जयादातर प्रवासी मजदूर सौराष्ट्र और उत्तरी गुजरात के हैं जबकि केवल 10 फीसदी कामगार ही उत्तर प्रदेश, मध्यप्रदेश और बिहार से आते हैं। दुनियाभर में मशहूर सूरत की डायमंड इंडस्ट्री का सालाना कारोबार करीब 1.45 लाख करोड़ रुपए का है। सूरत डायमंड एसोसियेसन के अध्यक्ष नानू वेकारिया ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इन पांच लाख कर्मचारियों में से केवल पांच फीसदी ही हाल में अपने गांवों को गए हैं। इनमें गुजरात और गुजरात से बाहर दोनों जगह के कामगार हो सकते हैं। वेकारिया ने कहा कि, कुछ प्रवासी मजदूर तो शादी-ब्याह और दूसरे सामाजिक कार्यों में शामिल होने के लिए गए हैं जबकि कुछ लोग लॉकडाउन के डर से भी शहर छोड़कर गए हैं। वहीं कुछ अपने बीमार माता- पिता और संबंधियों की खोज खबर लेने भी गए हैं।

लॉकडाउन की ओर बढ़ रहे बिहार के कदम

पटना।

बिहार में कोरोना की भयावह हो रही स्थिति को देखते एक नीतीश कुमार सरकार संक्रमण को रोकने के लिए एक-एक कदम आगे बढ़ा रही है। बिहार सरकार के इन कदमों से लोगों को एक बार फिर से लॉकडाउन का डर सताने लगा है। सरकार ने जिम, स्पोट्स कॉम्प्लेक्स और पुरातत्व और पर्यटन स्थल को 15 मई तक बंद रखने की घोषणा की है। इससे पहले सरकार ने इसी हफ्ते स्कूल-कॉलेज समेत तमाम निजी और सरकारी शैक्षणिक संस्थानों को बंद करने और बाजारों में दुकानें और व्यापारिक संस्थानों को 7 बजे तक बंद कर देने के आदेश जारी किए हैं। कला संस्कृति विभाग ने इसको लेकर 3 अलग-अलग आदेश जारी किया है। बिहार कला संस्कृति विभाग ने कोरोना के संक्रमण को रोकने एवं उससे बचाव के लिए लोकहित में सावधानी के तौर पर राज्य सरकार द्वारा सुरक्षित घोषित सभी स्मारक, पुरास्थल आमदर्शकों, आगंतुकों के परिभ्रमण के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया है। कला संस्कृति विभाग के छात्र एवं युवा कल्याण निदेशक डॉ. संजय सिन्हा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू रहेगा। डॉ. सिन्हा ने विभागीय सचिव से अनुमोदन प्राप्त अपने दूसरे आदेश में कहा कि सभी संग्रहालय (म्यूजियम) तत्काल प्रभाव से आम दर्शकों व आगंतुकों के लिए बंद रखने का निर्णय लिया गया है। छात्र एवं युवा कल्याण निदेशक द्वारा जारी एक और आदेश में शुक्रवार से तत्काल प्रभाव से राज्य में खेल गतिविधियों पर रोक लगा दी गयी है। आदेश में कहा गया है कि कोरोना वायरस का प्रसार रोकने और संक्रमण की कड़ी को तोड़ने के लिए 15 मई तक राज्य स्थित सभी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, आउटडोर एवं इंडोर स्टेडियम, तरणताल, खेल मैदानों में खेलों के आयोजन, कार्यक्रमों तथा प्रशिक्षण एवं सभी जिमों के संचालन पर रोक लगाई जाती है।

दीदी, आप वोट बैंक के लिए कितनी दूर जाएंगी ? : पीएम

आसनसोल। पश्चिम बंगाल में 5वे चरण का मतदान जारी है। सभी पार्टियां चुनाव प्रचार में जी-जान से लगी हुई हैं। जिस कड़ी में प्रधानमंत्री मोदी आने वाले चुनाव के लिए रैली कर रहे हैं। पीएम मोगी बंगाल के आसनसोल में रैली कर रहे हैं जहां पीएम मोदी ने ममता बनर्जी और उनकी सरकार पर जमकर हमला किया। पीएम मोदी ने कहा कि ममता बनर्जी लोगों की मौत पर भी राजनीति करती हैं ये उनकी पुरानी आदत है, पीएम मोदी ने कहा, ÷दीदी, आप वोट बैंक के लिए कितनी दूर जाएंगी? सच्चाई यह है कि दीदी ने उन मौतों के जरिए अपने राजनीतिक लाभ के बारे में सोचा। लाशों पर राजनीति करना दीदी की पुरानी आदत है, उन्होंने ममता बनर्जी की सरकार पर विकास रोकने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल को विकास रोकने वाली नहीं, डबल इंजन की सरकार चाहिए। बंगाल की बीजेपी सरकार, आपका लाभ कराने वाली हर उस योजना को लागू करेगी, जिन्हें दीदी की सरकार ने रोका हुआ है। पीएम मोदी ने केंद्र सरकार की बैठकों में भाग न लेने पर ममता पर बन्नर्जी पर निशाना साधते हुए कहा, ÷कोरोना पर

पिछली दो बैठकों में बाकी मुख्यमंत्री आए, लेकिन दीदी नहीं आईं। नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल में बाकी मुख्यमंत्री आए, लेकिन दीदी नहीं आईं। मां गंगा की सफाई के लिए देश में इतना बड़ा अभियान शुरु हुआ लेकिन दीदी उससे संबंधित बैठक में भी नहीं आईं।

पीएम मोदी ने रैली में ममता बनर्जी पर हमला करते हुए कहा कि अपने अहंकार में दीदी इतनी बड़ी हो गई हैं कि हर कोई उन्हें अपने आगे छोटा दिखता है। केंद्र सरकार ने अनेक बार अनेक विषयों पर बात करने के लिए बैठकें बुलाई हैं, लेकिन दीदी कोई न कोई कारण बताकर इन बैठकों में नहीं आतीं। पीएम मोदी ने ममत बनर्जी पर केंद्र सरकार की योजनाओं से जनता को, किसानों वंचित रखने के आरोप लगाए। पीएम ने कहा कि केंद्र सरकार ने किसानों को बिचौलियों से मुक्त करने वाले कानून बनाए, तो दीदी विरोध में उतर आईं। केंद्र सरकार ने किसानों के बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर करने शुरू किए, तो दीदी ने इससे भी किसानों को वंचित रखा।

सीडब्ल्यूसी की बैठक में सोनिया की केंद्र से गुहार

नई दिल्ली ।

देश में जारी कोरोना कहर के बीच कांग्रेस की वर्किंग कमेटी की एक अहम बैठक हुई। कांग्रेस की शीर्ष नीति निर्धारक इकाई कांग्रेस कार्यसमिति (सीडब्ल्यूसी) ने कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में तेजी से वृद्धि के बीच मौजूदा हालात पर चर्चा की। इस बैठक में पार्टी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा से यह माना है कि कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई एक राष्ट्रीय चुनौती है, जिसे पार्टी की राजनीति से दूर रखा जाना चाहिए। उन्होंने युवाओं को भी वैक्सीन देने की वकालत करते हुए कहा कि कोविड-19 का टीका 25 साल तक के लोगों को लगाया जाए। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में सोनिया गांधी ने कहा, %कोविड-19 की दूसरी लहर ने देश को बुरी तरह प्रभावित किया है, हमारे पास इससे निपटने की तैयारी के लिए एक साल का समय था, लेकिन हम बिना तैयारी के फिर इसकी चपेट में आ गए हैं।% उन्होंने कहा कि कोविड-19 संकट संबंधी पूर्वानुमान, आकलन और प्रबंधन के संदर्भ में मोदी सरकार ने कोई तैयारी नहीं की। सरकार को टीकाकरण के लिए अपनी प्राथमिकता पर पुनर्विचार करना चाहिए और आयुसीमा को घटाकर 25 साल करना चाहिए। अस्थमा, मधुमेह, किडनी और लीवर संबंधी बीमारियों से पीड़ित सभी युवाओं को टीका लगाया जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि टीकाकरण के लिए अभी न्यूतम आयुसीमा 45 साल निर्धारित है। उन्होंने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक में कहा कि सरकार को कोरोना से निपटने के लिए जरूरी चिकित्सा उपकरणों और दवाओं को जीएसटी से मुक्त करना चाहिए तथा कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार पर अंकुश लगाने के लिए सख्त कदम उठाने पर गरीबों को प्रति माह छह हजार रुपये की मदद देनी चाहिए।

सोनिया ने कहा कि इस संकट की घड़ी में अपना कर्तव्य निभा रहे स्वास्थ्यकर्मियों एवं दूसरे कर्मचारियों को कांग्रेस सलाम करती है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी की अगुवाई में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से चल रही बैठक में पार्टी के पूर्व अध्यक्ष

राहुल गांधी और सीडब्ल्यूसी के दूसरे सदस्य शामिल हुए। इस बैठक में कोरोना महामारी और इस स्थिति से निपटने के लिए उठाए जाने वाले जरूरी कदमों को लेकर चर्चा की गई।

इसमें सरकार से जरूरी कदम उठाने की मांग को लेकर प्रस्ताव भी पारित किया जा सकता है।

चारा घोटाला केसः लालू यादव को मिली जमानत

रांची ।

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद को बड़ी राहत मिली है। चारा घोटाले के दुमका कोषागार से अवैध निकासी के मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने शनिवार को उन्हें शर्तों के साथ जमानत दे दी। करीब 40 माह बाद लालू प्रसाद जेल से बाहर आएंगे। फिलहाल लालू अस्वस्थ हैं और दिल्ली के एम्स में उनका इलाज चल रहा है। लालू प्रसाद के खिलाफ झारखंड में पांच मामले चल रहे थे। चार मामलों में उन्हें जमानत मिल गयी है। पांचवा मामला डोरंडा कोषागार से अवैध निकासी से संबंधित है। सीबीआई कोर्ट में इस मामले की सुनवाई अभी चल रही है। जस्टिस अपरेश कुमार सिंह की अदालत ने लालू प्रसाद को एक लाख के निजी मुचलके, दस लाख जुर्माना जमा करने का निर्देश दिया है। लालू प्रसाद को अपना पासपोर्ट जमा करना होगा। बिना कोर्ट की अनुमति के वे विदेश नहीं जा सकेंगे। उन्हें अपना मोबाइल नंबर और पता भी नहीं बदलने का निर्देश अदालत ने दिया है। लालू प्रसाद ने अपने स्वास्थ्य और दुमका कोषागार केस में मिली आधी सजा काट लेने के आधार पर जमानत मांगी थी। लालू की ओर से पक्ष रखते हुए वरीय अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अदालत को बताया कि सीबीआई कोर्ट ने उन्हें सात साल की सजा सुनायी है। प्रसाद ने छह अप्रैल को ही 42 माह जेल में काट लिए हैं। उनकी आधी सजा पूरी हो गयी है। इस कारण उन्हें जमानत प्रदान की जानी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने भी आधी सजा पूरी करने के बाद जमानत प्रदान करने का कई मामलों में आदेश दिया है। सीबीआई की ओर से लालू प्रसाद को जमानत का विरोध किया गया। सीबीआई का कहना था कि दुमका कोषागार में लालू प्रसाद को सीबीआई कोर्ट ने आईपीसी में सात और पीसी एक्ट के तहत सात साल की सजा सुनायी है। सीबीआई कोर्ट ने दोनों सजा अलग-अलग चलाने का आदेश दिया है। ऐसे में लालू प्रसाद को दुमका कोषागार से अवैध निकासी में कुल 14 साल की सजा मिली है। सात साल जेल में बिताने के बाद ही उनकी आधी सजा पूरी होगी। इस तरह उनकी आधी सजा पूरी नहीं हुई है। इसलिए वह जमानत के हकदार नहीं है। सीबीआई की इस दलील का कपिल सिब्बल ने विरोध किया। उन्होंने अदालत को बताया कि इस मामले में कई और अन्य आरोपियों को सात साल की सजा मान कर ही जमानत प्रदान की गयी है।

केजरीवाल सरकार का बड़ा कदम आईएएस और दानिक्स अफसरों को सौंपी कमान

नई दिल्ली ।

अरविंद केजरीवाल की अगुवाई वाली आम आदमी पार्टी (आप) सरकार ने दिल्ली में कोरोना के बिगड़ते हालातों को संभालने के लिए नाइट कर्फ्यू और वीकेंड कर्फ्यू के बाद शनिवार को एक और बड़ा कदम उठाया है। दिल्ली सरकार ने कोविड़-19 प्रबंधन के लिए 10 आईएएस अफसरों के बाद अब 15 दानिक्स (दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, दादरा और नगर हवेली, और दमन और दीव सिविल सेवा) अफसरों को भी राजधानी के 15 बड़े निजी अस्पतालों में नोडल अधिकारी के रूप में तैनात कर दिया है। साथ ही दिल्ली सरकार द्वारा कोरोना मरीजों के प्रबंधन की निगरानी के लिए विभिन्न निजी अस्पतालों में नोडल अधिकारी के रूप में तैनात सभी वरिष्ठ नर्सिंग अधिकारियों को इन अस्पतालों में कोविड़-19 टीकाकरण की निगरानी का काम भी सौंपा गया है। दिल्ली सरकार ने उसके द्वारा संचालित कोविड-19 अस्पतालों के लिए शुक्रवार को 10 आईएएस अधिकारियों को नोडल अधिकारी नियुक्त किया और सभी से तय अस्पतालों से काम करने को कहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अधिकारी उन्हें सौंपे गए कोविड-19 अस्पताल के प्रभारी होंगे।

सामान्य निगरानी, निर्देश देने के साथ साथ अस्पताल के कामकाज पर उनका नियंत्रण होगा।

दिल्ली में कोविड-19 प्रबंधन के लिए नोडल मंत्री बनाए गए उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस कदम से मरीज प्रबंधन बेहतर होगा और फैसले जल्दी लिए जा सकेंगे। उन्होंने ट्वीट किया, प्रत्येक अधिकारी अपने अपने तय अस्पताल में रहेंगे और लोगों की शिकायतें दूर करने की मजबूत व्यवस्था भी सुनिश्चित करेंगे।

अस्पताल में प्रमुख जगहों पर नोडल अधिकारी का नाम और फोन नंबर प्रदर्शित किया जाएगा। भारतीय प्रशासनिक सेवा के ये अधिकारी अपने पुराने कार्यालय के कर्मचारियों की भी मदद ले सकेंगे।

डीजीपी अपर मुख्य सचिव सूचना और लखनऊ के डीएम कोविड पॉजिटिव

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बढ़ते कोरोना केस के बीच यूपी डीजीपी एससी अवस्थी, अपर मुख्य सचिव सूचना नवनीत सहगल और डीएम अभिषेक प्रकाश कोविड पॉजिटिव हो गए हैं। तीनों अफसरों ने खुद को होम आइसोलेट किया है। खनन निदेशक रोशन जैकब लखनऊ की कार्यवाहक डीएम बनाई गईं। एसएसपी बरेली रोहित सिंह सजवान भी कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। एसएसपी ऑफिस अगले 48 घंटे के लिए बंद कर दिया है। एसपी देहात राजकुमार अग्रवाल पहले पॉजिटिव हैं और एसपी ट्रैफिक की भी तबीयत खराब चल रही है। इससे पहले प्रमुख सचिव एसपी गोयल, सचिव अमित सिंह, ओएसडी अभिषेक कौशिक भी कोरोना की चपेट में आ चुके हैं। दो स्टाफ भी कोरोना की चपेट में आए थे। साथ ही यूपी सरकार में मंत्री आशुतोष टंडन भी कोरोना पॉजिटिव पाए गए थे। यूपी में पिछले 24 घंटे के अंदर कोरोना के 27,426 नए केस सामने आए हैं। वहीं राजधानी लखनऊ में वायरस के 6598 नए केस पता चले हैं। लखनऊ में पिछले 24 घंटों के दौरान 35 कोरोना मरीजों की मौत बात सामने आई है। राजधानी लखनऊ में कोरोना सारे रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यहां एक दिन में कोरोना केस का अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा सामने आया है। संक्रमण के प्रसार के खतरे को देखते हुए एक बार फिर जांच का दायरा बढ़ाने की कवायद तेज कर दी गई। स्वास्थ विभाग ने जांच का दायरा दोबारा बढ़ाने का फैसले कर लिया हैं। विभाग महाराष्ट्र, दिल्ली, गुजरात व केरल से आ रहे कामगारों और सामान्य पर्यटकों की जांच करेगा। इसके लिए एयरपोर्ट, रोडवेज और रेलवे स्टेशन पर स्पेशल जांच टीम गठित की जाएगी। यह टीम इन प्रांतों से यहां आने वाले यात्रियों की जांच करेगी। फौरी तौर पर जांच एंटीजन किट से होगी। एंटीजन जांच में पॉजिटिव मिलने के बाद संक्रमित का सैंपल आरटीपीसीआर के लिए भेजा जाएगा।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौया द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)